राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

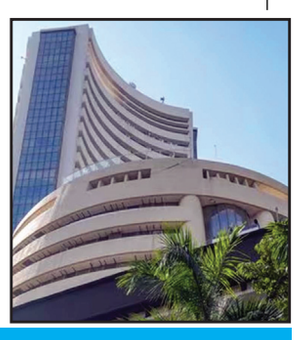

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 साउथ अफ्रीका की लगातार चौथी जीत यूएई को 6 विकेट से हराया | सम्पादकीय अपने मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने का..... | सेंसेक्स 283 अंक बढ़कर 83,734 पर बंद 5

वर्ष 23 ● अंक 294 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | मुरैना, गुरूवार 19 फरवरी 2026 | email - hindustanexpressbhopal@gmail.com, hindustanexpresshe@gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है बजट में

8वीं तक के विद्यार्थियों को पैक दूध मुफ्त मिलेगा

15,000 शिक्षकों की भर्ती होगी

- वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने विधानसभा में पेश किया बजट

भोपाल। मध्य प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को डॉ. मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 का ये बजट 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का है। देवड़ा ने करीब 1 घंटे 30 मिनट का बजट भाषण दिया।

उन्होंने कहा- ये बजट GYANII के स्वरूप में है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियलाइजेशन पर फोकस है। इनके लिए 3 लाख करोड़ रुपए यानी कुल बजट के बड़े हिस्से का प्रावधान किया गया है।

देवड़ा ने कहा- एमपी में यह पहला रोलिंग बजट है। 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए 3060 करोड़ का विशेष प्रावधान किया गया है। विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर विपक्ष ने हंगामा कर दिया।

स्व-सहायता समूह, उज्ज्वला योजना समेत नारी कल्याण की विविध योजनाओं के लिए 1 लाख 27 हजार 555 करोड़ के प्रावधान किए हैं। वर्किंग वूमन के लिए 5700 हॉस्टल बनाए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए 40062 करोड़ रुपए की घोषणा की। दरअसल, 2027 में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव होने हैं।

लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ के प्रावधान का ऐलान किया। युवाओं के लिए 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया। 8वीं तक के बच्चों को फ्री टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा की। प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगेगा।

वित्त मंत्री देवड़ा ने जी राम जी के लिए 10428 करोड़ और पीएम जनमन के लिए 900 करोड़ रुपए के प्रावधान का ऐलान किया। वहीं, 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने की घोषणा की।

इसके अलावा श्रम विभाग के लिए 1 हजार 335 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। सड़कों की मरम्मत के लिए 12690 करोड़, जल जीवन मिशन के लिए 4 हजार 454 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है।

विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर विपक्ष का हंगामा

बजट भाषण के दौरान सदन में कांग्रेस विधायकों ने विधायक निधि बढ़ोतरी नहीं किए जाने के कारण बजट भाषण के दौरान हंगामा किया। बजट भाषण पर सवाल उठाए। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने विधायकों को शांत होकर अपनी सीट पर बैठने के निर्देश दिए।

वहीं, कांग्रेस विधायक सरकार पर कर्ज के विरोध में खाली डिब्बे और गुल्लक लेकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा कि राज्य का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। विरोध के दौरान कांग्रेस नेताओं ने तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिन पर लिखा था कि कर्ज बजट से ज्यादा है, फिर आप कहते हैं कि सब ठीक है।

क्या होता है रोलिंग बजट

रोलिंग बजट प्रणाली में हर साल या तय अवधि के बाद आगे की अवधि को जोड़ते हुए बजट लगातार अपडेट किया जाता है। बजट एक बार बनाकर छोड़ नहीं दिया जाता, बल्कि हर साल नई परिस्थितियों और जरूरतों के अनुसार उसमें बदलाव किया जाता है। आगे के वर्ष जोड़े जाते रहते हैं।

उदाहरण के तौर पर, यदि सरकार ने 2026-27, 2027-28 और 2028-29 का तीन साल का बजट बनाया है, तो 2027-28 आते ही 2026-27 की अवधि बजट से हट जाएगी। उसकी जगह नया वर्ष 2029-30 जोड़ दिया जाएगा। इस तरह बजट हमेशा आने वाले तीन वर्षों के लिए तैयार रहता है।

मिड डे मील में टेट्रा पैक दूध

बजट से दो दिन पहले ही डिजिटल ने अपनी मंडे स्पेशल स्टोरी में यह खुलासा कर दिया था कि मध्य प्रदेश सरकार बच्चों को मिड डे मील के साथ टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा कर सकती है। अब बजट में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने इस पर आधिकारिक मुहर लगा दी है।

सरकार ने पहली से आठवीं तक के छात्रों को मुफ्त टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा की है। इस योजना से प्रदेश के करीब 98.37 लाख स्कूली बच्चों और आंगनवाड़ियों में पढ़ने वाले 3 से 6 वर्ष आयु के लगभग 48 लाख बच्चों को लाभ मिलेगा।

बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के उद्देश्य से सरकार ने यह बड़ा कदम उठाया है। अब मध्यान्ह भोजन के साथ टेट्रा पैक दूध भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए ग्रामीण एवं पंचायत विभाग और मध्यप्रदेश दुग्ध महासंघ के बीच एमओयू साइन किया जाएगा।

कमलनाथ बोले- जनता से विश्वासघात वाला बजट

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि जनता से विश्वासघात वाला बजट है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बजट पेश किया है, उसमें सिर्फ बातों के बताशे बनाए गए हैं। जनहित का मुद्दा पूरी तरह सफाचट है।

नवंबर 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता और मतदाताओं से जो प्रमुख वादे किए थे। वह सारे वादे ढाई साल बाद भी वित्त मंत्री के बजट भाषण से गायब दिखाई दिए। प्रदेश के किसानों, नारी शक्ति, नौजवानों और सभी वर्गों से किए गए चुनावी वादों को बजट में कोई स्थान नहीं दिया गया। विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश की जनता से जो चार प्रमुख वादे किए थे, वह आज भी अधूरे हैं। इनमें किसानों को धान का न्यूनतम **शेष पृष्ठ 2 पर .....**

प्रधानमंत्री के 'ज्ञान' के संकल्प पर एमपी का बजट- सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बजट पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के संकल्प के साथ आज मध्यप्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) के संकल्प में हमारी सरकार ने आई भी जोड़ा है। वर्ष 2026-27 का बजट ज्ञानी के मार्गदर्शी सिद्धांत पर है।

सीएम मोहन ने कहा कि इंडस्ट्री और इंफ्रास्ट्रक्चर दो दिखते हैं। यह देश का पहला बजट है, जो रोलिंग बजट है। इस बजट के जरिए अगले दो साल के डेवलपमेंट का ब्लूप्रिंट खींचा जाएगा। अमृतकाल 2047 के लिए डेवलपमेंट का पैमाना बनाया गया है।

सीएम मोहन ने कहा कि आज का बजट 4 लाख 38 हज़ार 317 करोड़ रुपए का है। साल 2026-27 में राज्य का ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट 18 लाख 48 हजार 274 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। साल 2025-26 के अनुमान में 10.69 परसेंट की बढ़ोतरी है।

भगवान का स्मरण मोक्षकारक: शास्त्री

नवग्रह प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आंठवा दिन : हनुमंत कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

डबरा, (ग्वालियर)। ग्रह यदि सताएं,तो नवग्रह मंदिर डबरा आ जाओ, क्योंकि यहां सभी ग्रह अपनी पत्नियों का साथ विराजमान हैं,लेकिन ग्रहों की की कृपा तभी होती है, जब भगवान का अनुग्रह होता है, इसलिए हनुमान की याद क रते रहे,तो भगवान की कृपा जरूर होगी। मेरे पास हनुमान कृपा के सिवाय कुछ नहीं है। यह विचार बागेश्वरी पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने डबरा में आयोजित हो रहे नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आंठवे दिन बुधवार को हनुमान कथा के दौरान व्यक्त किए। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, नगरीय प्रशसान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा, इंडिगो के हैड वरुण द्विवेदी प्रमुख रूप से शामिल होकर व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक पूर्वग्रहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सभी अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। इस दौरान डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दैनिक हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समाचार पत्र समूह के प्रधान संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे को साफा पहनाकर व शॉल भेंट कर उनका सम्मान किया।

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कथा पांडाल में मौजूद हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि डबरावासी सौभाग्यशाली हैं, जिन्हें घर बैठे देशभर के शीर्षस्थ संतों एवं विभूतियों के दर्शन घर बैठे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान की कथा बहुत भाग्य से मिलती है, इसलिए सिर्फ फोटो खिंचाने के लिए कथा में न आएं। रील के चक्कर रीयल को न खोएं। उन्होंने कहा कि कथा की एक बात भी यदि मन में उतार ली, तो अनेक बाबाओं के यहां चक्कर लगाने की जरूरत नहीं हैं।बहुत बाबाओं को साधने से भगवान की कृपा होने वाली नहीं हैं। आप स्वयं गुरू बनो, तभी भारत विश्वगुरू बनेगा। सिर्फ सत्संग में मत बैठो बल्कि सत्संग को अपने मन में बैठा लो। एचटूओ का फार्मूला जानने से प्यास नहीं बुझती है, बल्कि पीने से ही प्यास बुझती है। थोड़ी सी भी कथा सुनो,लेकिन उसे अपने मन में उतार लो। शास्त्री ने कहा कि सत्संग जलते हुए दीपक के समान हैं। सत्संग में जब बैठते हैं तो उससे मन का बुझा हुआ दिया जल जाता है, जिससे भगवान को पा लेते हैं और भगवान को पा लेने के बाद किसी और को पाने की जरूरत नहीं होती है। राम नाम की चाबी से हर ताला खुल जाता है और सारे बिगड़े काम बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह कम्प्यूटर में वायरस आ जाने पर एंटी वायरस डालना पड़ता है,तो वह बढिया काम करने लगता है, इसी तरह यदि संसार के वायरस को मिटाने के लिए भगवान की कथा सुननी पड़ती है। जिस तरह किताबों के अध्ययन से संसार के बारे में जानकारी होती है, उसी तरह सत्संग से पता चलता है कि जीवन को जीना कैसे है। चरण के बल से आप मंदिर एवं आचरण के बल से **शेष पृष्ठ 5 पर....**

धर्म का उद्देश्य हृदयों को जोड़ना है, किसी का विभाजन करना नहीं: स्वामी अवधेशानंद जी

श्री हरिहर आश्रम में सम्पन्न हुआ आध्यात्मिक संगम

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

हरिद्वार। श्रीपंचदशनाम जूनाअखाड़ा की आचार्यपीठ - श्री हरिहर आश्रम, कनखल, हरिद्वार में आज एक ऐसा आध्यात्मिक संगम साकार हुआ, जिसने धर्मों के मध्य संवाद और समन्वय की परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान की। यह अवसर केवल एक औपचारिक भेंट ही नहीं रही, बल्कि विविध आस्थाओं के प्रतिनिधियों के मध्य आत्मीयता, श्रद्धा और वैश्विक कल्याण की साझा भावना का सजीव प्रतीक सिद्ध हुई ।

World Council of Religious Leaders के महासचिव आदरणीय बावा जैन तथा American Jewish Committee के अंतरधार्मिक मामलों के सेवानिवृत्त अंतर्राष्ट्रीय निदेशक Rabbi David Rosen अपने परिवार सहित श्री हरिहर आश्रम पधारे। उनकी यह यात्रा आध्यात्मिक जिज्ञासा, पारस्परिक सम्मान और वैश्विक शान्ति के प्रति समर्पण का परिचायक रही ।

इस पावन अवसर पर श्रीमत् परमहंस, परिव्राजकाचार्य, श्रोत्रिय, ब्रह्मनिष्ठ, जूनापीठाधीश्वर, आचार्य महामण्डलेश्वर, अनंत श्री विभूषित स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज से उनकी शिष्टाचार भेंट अत्यंत सौहार्दपूर्ण और सारगर्भित संवाद में परिवर्तित हो गई। यह संवाद धर्म के सिद्धांतों की तुलना से अधिक, उनके साझा मानवीय मूल्यों की खोज पर केन्द्रित था।

संवाद के अनन्तर राष्ट्र, संस्कृति, सेवा, मानवाधिकार, सह-अस्तित्व तथा वैश्विक सद्भाव जैसे विषयों पर गंभीर विमर्श हुआ। यह स्पष्ट हुआ कि यद्यपि परम्पराएँ भिन्न हो सकती हैं, किन्तु उनके मूल में करुणा, सत्य, अहिंसा और मानवता की ही ज्योति प्रज्वलित होती है। सनातन संस्कृति का 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आदर्श और यहूदी परम्परा की नैतिक-आध्यात्मिक चेतना दोनों ही विश्व को एक परिवार मानने की प्रेरणा देते हैं। स्वामी श्री अवधेशानंद जी ने अपने विचारों में यह प्रतिपादित किया कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विभाजन नहीं, बल्कि हृदयों को जोड़ना है। जब विभिन्न आस्थाओं के प्रतिनिधि संवाद और सम्मान की भावना से मिलते हैं, तब विश्व-शान्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने सेवा को धर्म का प्राण बताते हुए कहा कि समष्टि कल्याण के लिए सामूहिक प्रयास ही मानवता की वास्तविक साधना है। अतः श्री हरिहर आश्रम में सम्पन्न यह अंतरधार्मिक संवाद आध्यात्मिक समन्वय, वैश्विक मानवता और साझा प्रतिबद्धता का उज्ज्वल उदाहरण है। यह हमें स्मरण कराता है कि विविधता में ही एकता की वास्तविक शक्ति निहित है और वही शक्ति भविष्य के शान्तिमय विश्व का आधार बनेगी। इस अवसर पर अमेरिका, अफ्रीका और अन्य देशों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा उ.प्र. की कार्यकारिणी घोषित

- अशोक राय झाँसी प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
झाँसी। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयनारायण चौकसे व राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट एम.एल. राय द्वारा संगठन की उत्तर प्रदेश इकाई का गठन किया गया है। इसमें अशोक राय निवासी- बंसल कॉलोनी झाँसी को प्रदेशाध्यक्ष, सुधीर कुमार जायसवाल प्रयागराज को प्रदेश महासचिव कार्यकारी, रामरतन जायसवाल अमेठी को प्रदेश महासचिव संगठन, सोम साहू शिवहरे वाणी आगरा को प्रदेश महासचिव प्रचार, सुमित राय झाँसी को प्रदेश कोषाध्यक्ष, आशीष जायसवाल मिर्जापुर को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।
मनोनयन पत्र में कहा गया है कि आप सभी लोग संगठन की रीति व नीति के अनुसार कार्य करेंगे तथा समाज के हित में लगातार संलग्न रहेंगे।

शासकीय सेवा में सेवानिवृत होना एक प्रक्रिया: इंदौलिया

-सेवानिवृत्ति पर अमरीश पाराशर को दी गई भावभीनी विदाई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। शासकीय सेवा में सेवानिवृत्ति होना एक प्रक्रिया होती है। आज अमरीश पाराशर सेवानिवृत हुए हैं, कल मुझे भी रिटायर होना है। शुक्ला जी, त्यागी जी सभी को एक न एक दिन रिटायर होना है। यह कहना था जिला शिक्षा अधिकारी बीएस इंदौलिया का। अवसर था सुमावली विद्यालय में पदस्थ शिक्षक अमरीश पाराशर के रिटायरमेंट का। उत्सव वाटिका में सेवानिवृत होने पर आयोजित कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी का यह भी कहना था कि मैं भी कई वर्ष से देखा है कि अमरीश पाराशर ने नौकरी के दौरान मेहनत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अधिकारियों के निर्देश पर विद्यालय के अलावा अन्य कार्यों के लिए जौरा, मुरैना, कैलारस, पहाड़गढ़ जहां भी उन्हें भेजा गया अमरीश पाराशर ने अधिकारियों के निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया। विदाई पार्टी में मौजूद जौरा विकासखंड के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एम.एम. शुक्ला का कहना था कि सुमावली में पदस्थ अमरीश पाराशर आज सेवानिवृत हुए हैं, उनके कार्यकाल से बहुत कुछ सीखने को मिला। मेहनत कैसे की जाती है यह कोई अमरीश पाराशर से सीखे। सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य ने भी कहा कि 43 वर्ष तक बेदाग नौकरी करना अपने आपमें प्रशंसनीय एवं बधाई का कार्य है। सेवानिवृत होने पर अमरीश पाराशर का कहना था कि मैंने पिछले 22 साल की नौकरी सुमावली के हायर सेकेंडरी शासकीय स्कूल में की। मुझे मेरे सभी साथियों का हमेशा भरपूर सहयोग मिला, जिसके लिए मैं सभी का आभारी हूं। उनका यह भी कहना था कि शासकीय नौकरी में समय से स्कूल जाना, यह मैंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों से भी सीखा। सुमावली हायर सेकंडरी विद्यालय से पहले अमरीश पाराशर ने फूलपुर बामोर, जौराखुर्द, जेबराखेड़ा, शिवपुरी फिजिकल कॉलेज, जीवाराम का पुरा में अपनी सेवायें दीं। आश्रम में भी नौकरी की। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में एसडीओपी क्राइम ब्रांच जितेंद्र कुशवाहा, रजनीश दुबे, संजय दीक्षित, हरिओम गौड़, राजकुमार दुबे, शिवप्रताप यादव, मनीष शर्मा, जयप्रकाश पाराशर, मनोज तोमर, सुमित दुबे, देवेंद्र राजपूत, ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ समाजसेवी हरीश पाठक, परशुराम भालोठिया सहित अन्य समाजसेवी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार पत्रकार योगेश पाराशर ने व्यक्त किया।

1.77 करोड़ बकाया पर भड़का गुस्सा: 14 दिन से धरने पर 205 कर्मियों का हल्ला बोल

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
बहराइच। चिलवरिया चीनी मिल के 205 कर्मचारी पिछले 14 दिनों से धरने पर डटे हैं और उनका आक्रोश अब उबाल मार रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि एक साल से रिटेनिंग राशि और 50 प्रतिशत बेरोजगारी भत्ता रोक कर रखा गया है, जिससे उनके घरों के चूल्हे तक ठंडे पड़ने की नौबत आ गई है। आर्थिक तंगी से जूझ रहे कर्मियों ने साफ चेतावनी दी है कि हक की रकम मिले बिना धरना खत्म नहीं होगा।
शिफ्ट इंचार्ज दिनेश प्रताप सिंह ने तीखे शब्दों में कहा कि सिंभावली और ब्रजनाथपुर की मिलों में कर्मचारियों का भुगतान हो चुका है, लेकिन चिलवरिया के कर्मियों के साथ खुला भेदभाव हो रहा है। उनका कहना है कि करीब 1.77 करोड़ रुपये का बकाया लंबित है और प्रबंधन व हेड ऑफिस चुप्पी साधे बैठे हैं।
गन्ना आपूर्ति ठप होने से मिल का पहिया थम चुका है, जिसका सीधा असर कर्मचारियों के परिवारों पर पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई, घर का राशन और दवाइयों तक के लाले पड़ गए हैं। धरनास्थल पर जुटे कर्मचारियों ने प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप कर बकाया भुगतान दिलाने की मांग की है और चेताया है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

ब्रह्माकुमारी संस्था ने निकाली शोभायात्रा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दूसरे दिन ओम शांति प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की तरफ से शोभायात्रा का आयोजन किया गया। एमएस रोड से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में भगवान राधाकृष्ण की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाया गया। शोभायात्रा तिकोनिया पार्क, पचबीघा, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, तहसील चौराहा, अस्पताल रोड होती हुई ओम श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। यहां पर एवं रास्ते पर शोभायात्रा का श्रद्धालुओं ने स्वागत भी किया। शोभायात्रा के दौरान बहन बीके आकांक्षा का कहना था कि शिवरात्रि आध्यात्मिक रहस्य है। शिव अर्थात् कल्याणकारी रात्रि माना जाता है, इससे परमात्मा हमें जगाने आए हैं और शिवरात्रि में उपवास का आध्यात्मिक रहस्य प्रभु के पास वास करना, इसीलिए उपवास भी कहा जाता है। शोभायात्रा मनकामेश्वर महादेव मंदिर से एमएस रोड, एसएएफ मैदान पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। इस दौरान डॉ. रवि माहेश्वरी, दर्शन शुक्ला, विजय बंसल, डा. विशन गर्ग सहित अन्य श्रद्धालु एवं काफी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

बजट 2026-27 में अंबाह-दिमनी विधानसभा को सड़कों की बड़ी सौगात, भाजपा नेता कल्ला शर्मा ने जताया हर्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। बजट वर्ष 2026-27 में अम्बाह-दिमनी विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति मिली है। स्वीकृत कार्यों में भरतपुरा अंबाह से किसरौली मार्ग माखनदास महाराज मंदिर तक 9 किलोमीटर सड़क निर्माण (लागत 18 करोड़ रुपये), ग्राम गीलापुरा से ग्राम सुनावली (दिमनी) तक 3 किलोमीटर सड़क (3 करोड़ रुपये), श्यामपुर से जोहा मार्ग 2 किलोमीटर (2 करोड़ रुपये), माता का पुरा कमतरी से गोपी गांव तक 2 किलोमीटर सड़क (2 करोड़ रुपये) तथा बड़ागांव से सिहोनियां मानपुर चौराहा से पोरसा तक 45 किलोमीटर लंबा मार्ग (100 करोड़ रुपये) शामिल हैं।
इन परियोजनाओं से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुगम होगा, व्यापार और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा आमजन को सीधा लाभ प्राप्त होगा। लंबे समय से लंबित मांगों के पूरा होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।
भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष एवं जिला सह कार्यालय मंत्री अखिलेश शर्मा 'कल्ला' सहित अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इन स्वीकृतियों पर हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह अंबाह-दिमनी के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। नेताओं ने मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर व सांसद शिव मंगल सिंह तोमर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र को यह महत्वपूर्ण सौगात मिली है। साथ ही मुख्यमंत्री का भी धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

4 मार्च को होगा दलपत राव (दलखू बाबा) की प्रतिमा का अनावरण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। क्षेत्र के सरसैनी तीर्थ दलखू धाम में बाबा दलपत सिंह राव सिकरवार की प्रतिमा का अनावरण समिति द्वारा 04 मार्च को करने का निर्णय लिया गया है। समिति की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रतिमा की ऊंचाई लगभग 50 से 55 फीट एवं चौड़ाई 25 से 30 फीट के लगभग बताई गई है। अनावरण के लिए समिति द्वारा सर्व समाज की समाजसेवियों, मीडिया कर्मियों, राजनेताओं, कर्मचारी, गणमान्य नागरिकों को आमंत्रण देकर बुलाने का भी निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर होंगे। दलपत धाम समिति द्वारा इस प्रतिमा अनावरण के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहने की बात भी कही गई है।

.....शेष पृष्ठ एक का

एमपी में लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ का बजट

समर्थन मूल्य 3100 रुपया प्रति क्विंटल, किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2700 रुपया प्रति क्विंटल, लाड़ली बहन योजना में महिलाओं को प्रति महीने 3 हजार रुपया

घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में देने के वादे अधूरे हैं।

कमलनाथ ने कहा कि भाजपा ने अपनी इन चारों घोषणाओं को बजट में कोई स्थान नहीं दिया। साथ ही स्पष्ट कर दिया है कि यह सरकार जनविरोधी है। जनता से विश्वासघात करने वाली है। वादा-खिलाफी इसका स्वभाव है। इस बजट से मध्य प्रदेश की जनता को भारी निराशा हुई है।

पुलिस विभाग में 22 हजार 500 पदों पर भर्ती

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा- पुलिस विभाग में 22 हजार 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। पुलिसकर्मियों के लिए 11000 नए आवास बनाए गए हैं। 1 अप्रैल 2026 से परिवार पेंशन के अंतर्गत तलाकशुदा पुत्री को भी परिवार पेंशन देने का फैसला लिया गया है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 50 करोड़

वित्त मंत्री ने कहा- धार्मिक और सामाजिक योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत 50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, ताकि वरिष्ठ नागरिकों और जरूरतमंद लोगों को धार्मिक स्थलों की यात्रा का लाभ मिल सके। वहीं, धर्म और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए सरकार ने 2 हजार 55 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया है।

पुलिस व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए डिजिटल वर्किंग को लगातार विस्तार दिया जा रहा है। इसके तहत अब तक 14 लाख से अधिक ई-समन और वारंट जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, पुलिसकर्मियों को डिजिटल सिस्टम से जोड़ने के लिए 25 हजार टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे कानून-व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी और पारदर्शिता लाई जा सकेगी।

राज्य सरकार ने आगामी सिंहस्थ आयोजन की तैयारियों के लिए अब तक 13 हजार 851 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास और निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी है। इसके साथ ही वर्ष 2026-27 के बजट में सिंहस्थ के लिए 3 हजार 60 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान प्रस्तावित किया गया है, जिससे अधोसंरचना, यातायात, सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को और मजबूत किया जाएगा।

श्रम विभाग के लिए 1 हजार 335 करोड़ रुपए का बजट

राज्य सरकार ने श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए श्रम विभाग के लिए 1 हजार 335 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान प्रस्तावित किया है। इस राशि का उपयोग श्रमिक कल्याण योजनाओं, रोजगार से जुड़ी सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किया जाएगा, ताकि असंगठित और संगठित क्षेत्र के कामगारों को सीधा लाभ मिल सके।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत अब तक 4 करोड़ 61 लाख से अधिक खाते खोले जा चुके हैं। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ा गया है और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल रहा है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत भी बड़ी संख्या में लोग पंजीकृत हुए हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 3 करोड़ 64 लाख लोगों ने पंजीयन कराया है, जबकि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में 1 करोड़ 54 लाख से अधिक लोग शामिल हुए हैं। वहीं, बुजुर्गों को सुरक्षित भविष्य देने के उद्देश्य से अटल पेंशन योजना में अब तक 46 लाख लोगों ने पंजीयन कराया है, जिससे उन्हें नियमित पेंशन का लाभ मिल सकेगा।

पर्यावरण क्षेत्र के लिए 6 हजार 151 करोड़ का प्रावधान

देवड़ा नेकहा- कृषि वानिकी योजना शुरू की जाएगी इससे सरकार आमदनी बढ़ाने का काम करेगी। वन पर्यावरण क्षेत्र के लिए 6 हजार 151 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

पीएम आवास के लिए 6 हजार 850 करोड़ का प्रावधान

वित्त मंत्री ने कहा- 6 हजार 850 करोड़ पीएम आवास के लिए प्रावधान है। पीएम जनमन के लिए 900 करोड़, जी रामजी के लिए 10428 करोड़ के प्रावधान किए गए हैं। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40062 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है।

2 साल में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि 2 साल में 33 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। 19300 एकड़ जमीन पर इंडस्ट्रियल और आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं। 7 लाख 95 हजार स्टूडेंट्स को आर्थिक सहायता राशि का प्रावधान। उद्यम क्रांति योजना में 16,451 युवाओं को लोन दिया गया है।

छात्रवृत्ति योजना के लिए 1800 करोड़ का प्रावधान

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा- लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 में 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभांवित किया गया। 14 लाख 12 हजार को छात्रवृत्ति दी गई। इसके लिए 1800 करोड़ का प्रावधान है।

खेल के लिए 815 करोड़ रूपए का प्रावधान

मंत्री देवड़ा ने कहा- युवाओं की खेल योजनाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में स्टेडियम निर्माण का कार्य शुरू किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में चार स्टेडियमों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही खेल गतिविधियों के लिए 815 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

सड़कों की मरम्मत के लिए 12,690 करोड़

फाइनेंस मिनिस्टर देवड़ा ने कहा- मुख्यमंत्री माजरा टोला के तहत 20,900 किलोमीटर सड़क बनाने का स्टेटस दिया गया है। सड़क रिपेयर के लिए 12,690 करोड़ का प्रोविजन किया गया है। युवा परिवारों के मेट्रोपॉलिटन एरिया में बढ़ते माइग्रेशन के असर को कम करने के लिए 'संध्या छाया' प्रोग्राम शुरू किया गया है।

7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा- शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें।

वहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए सरदार पटेल कोचिंग योजना के अंतर्गत 4 हजार विद्यार्थियों को लाभ देने का लक्ष्य तय किया गया है। सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी बड़े स्तर पर बजट का प्रावधान किया गया है।

पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, घुमक्कड़ एवं अर्ध-घुमक्कड़ समुदायों के विकास के लिए 1,651 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कनेक्टिविटी सुधार पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके तहत 21,630 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी गई है।

11,277 गांवों के लिए 793 करोड़ रुपए का बजट

वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा- जनजातीय क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार ने 11,277 गांवों के लिए 793 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इसका उद्देश्य इन इलाकों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है।

इसके साथ ही पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों के लिए संचालित छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर आवास और पढ़ाई का माहौल मिल सके।

11,277 गांवों के विकास के लिए 793 करोड़

देवड़ा ने कहा- जनजातीय क्षेत्रों के 11,277 गांवों के विकास के लिए 793 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों के छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया जा रहा है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 7 लाख 95 हजार विद्यार्थियों को लाभ दिया गया है।

सरदार पटेल कोचिंग योजना के अंतर्गत 4 हजार विद्यार्थियों को लाभांवित करने का लक्ष्य तय किया गया है।

पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण, घुमक्कड़ एवं अर्ध-घुमक्कड़ वर्गों के उत्थान के लिए 1,651 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

मैत्री वैलफेयर फाउंडेशन एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सानिध्य में अम्बाह में 22 फरवरी को आयोजित होगा विशाल रक्तदान शिविर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/अम्बाह। समाज सेवा और मानवता के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी के तहत मैत्री ग्रुप फाउंडेशन एवं दिगंबर जैन सोशल ग्रुप द्वारा रविवार, 22 फरवरी को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जैन बगीची, अंबाह में प्रातः 10:00 बजे से आरंभ होगा।
शिविर में रक्त संग्रह हेतु जिला अस्पताल मुरैना और ग्वालियर की टीम मौजूद रहेगी। आयोजन का उद्देश्य समाज में सेवा भाव और मानवता को बढ़ावा देना है। आयोजकों ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर पर उपस्थित होकर रक्तदान कर जीवन बचाने में योगदान दें। आयोजकों का कहना है कि एक यूनिट रक्त से कई जीवन बचाए जा सकते हैं।
मैत्री फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता एवं अवनीश गुप्ता राधे और दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष संतोष जैन ने कहा है कि शिविर में भाग लेकर इच्छुक रक्तदाता न केवल समाज के लिए पुण्य कार्य करेंगे, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण भी बनेंगे। आयोजकों ने सभी से समय पर पहुंचने और इस मानवतावादी अभियान में सहयोग देने का विशेष आग्रह किया है, जिससे यह शिविर समाज में सेवा भाव, मानवता और एकजुटता को बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

छात्र ने शिक्षक को दी जान से मारने की धमकी, थाने में दिया आवेदन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/जौरा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के तत्वाधान में चल रही बोर्ड परीक्षा में ड्यूटी दे रहे एक शिक्षक को छात्रों द्वारा जान से मारने की धमकी दी, जिस पर से शिक्षक ने एक आवेदन थाने में दिया है। शिक्षक संजय पाराशर द्वारा थाने में दिए गए आवेदन में लिखा है कि 18 फरवरी को बोर्ड परीक्षाओं के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय की परीक्षा केंद्र पर मेरी ड्यूटी लगी हुई थी। पेपर के दौरान मेरे द्वारा सभी बच्चों को शांतिपूर्वक अनुशासित ढंग से पेपर देने के लिए निर्देशित किया गया, जो छात्र आदिल यादव पुत्र दीवान यादव को बुरा लगा। पेपर होने के बाद जब मैं परीक्षा केंद्र की गेट पर आया तब आदिल यादव ने मेरे साथ गाली-गलौज कर गंदी-गंदी गालियां भी दीं। उसके साथ कुछ लड़के भी लाठी एवं डंडा लेकर खड़े थे। मैं तत्काल गेट से परीक्षा केंद्र पर लौट आया तथा केंद्र अध्यक्ष को पूरी जानकारी बताई तो उन्होंने थाना प्रभारी के नाम से आवेदन लिखने को कहा गया, जिस पर से मेरे द्वारा आवेदन लिखकर मुझे गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए थाने में आवेदन दिया गया है।

भगवान भोलेनाथ बहुत भोले हैं, उनके नाम जपने मात्र से जीवन के सभी संकट दूर हो जाते हैं: अवधेशानंद तारक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना/पोरसा। भगवान भोलेनाथ बहुत भोले हैं, उनके नाम जपने से तथा बेलपत्र भगवान को अर्पण करने से जीवन के सभी संकट दूर हो जाते हैं। उक्त उद्गार स्वामी अवधेशानंद तारक भास्कर नर्मदा तट वालों ने बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।
ग्राम जोटई के पंचमुखी हनुमान मंदिर पर महंत ब्रह्मचारी महाराज के द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में स्वामी अवधेशानंद तारक भास्कर नर्मदा तट वाले ने बताया कि शिव पूजन, बेलपत्र-रुद्राक्ष की महिमा और काशी के महत्व पर भावपूर्ण कथा ग्राम जोटई स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में महंत ब्रह्मचारी महाराज के सान्निध्य में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में आज श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा वाचक अवधेशानंद तारक भास्कर (नर्मदा तट वाले) ने भगवान शिव की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए शिव पूजन की विधि, बेलपत्र एवं रुद्राक्ष की महत्ता तथा काशी धाम के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

बेलपत्र और रुद्राक्ष की महिमा

कथा के दौरान उन्होंने बताया कि शिव पूजन में बेलपत्र का विशेष महत्व है। तीन पत्तियों वाला बेलपत्र ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। शुद्ध भाव से अर्पित किया गया बेलपत्र भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है और इससे साधक की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी प्रकार रुद्राक्ष को भगवान शिव के आंसुओं का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि रुद्राक्ष धारण करने से नकारात्मक शक्तियों से रक्षा होती है, मन एकाग्र रहता है और आध्यात्मिक शक्ति में वृद्धि होती है। उन्होंने रुद्राक्ष धारण करने की विधि और उसके नियमों की भी जानकारी दी।

मनीष तिवारी बने मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस चंबल संभाग के संभागीय अध्यक्ष

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। सुरेंद्र निगम (प्रांताध्यक्ष, मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस) द्वारा मुरैना जिले के शिक्षक नेता मनीष तिवारी को मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के चंबल संभाग का संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
यह नियुक्ति संगठन के विस्तार एवं कर्मचारी हितों की सशक्त पैरवी की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। श्री तिवारी लंबे समय से कर्मचारी एवं शिक्षक वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करते रहे हैं। उनके नेतृत्व में चंबल संभाग में संगठन को नई मजबूती मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। श्री तिवारी के संभागीय अध्यक्ष बनने पर जिलाध्यक्ष उदयभान शर्मा, शेखर कुमार, केशव गुर्जर, विवेक श्रीवास्तव, महेंद्र यादव एवं जयनारायण मीणा सहित अनेक पदाधिकारियों एवं कर्मचारी प्रतिनिधियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मौसम बदला, दिनभर छाये रहे बादल

- अचानक 9 अंक गिरा पारा, सामान्य से 3 डिग्री कम

- आज भी बूंदाबांदी की संभावना

ग्वालियर। बुधवार को सूर्य उदय के साथ ही मौसम बदल गया। दिनभर आसमान पर बादल छाये रहे जिससे सूरज के दर्शन भी नहीं हो सके और दिन का तापमान 9 अंक नीचे लुढ़क आया। यह सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस मायनस में दर्ज हुआ है। जबकि न्यूनतम तापमान में 0.5 अंक की वृद्धि हुई है। साथ ही बुधवार को दो तीन चरणों में बूंदाबांदी दर्ज हुई है। उधर हवा में नमी का प्रतिशत बढ़ गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते ग्वालियर अंचल में मौसम बदला है। अरब सागर से पर्याप्त नमी के चलते बादल छाये हुये है और संभावना है कि आज गुरूवार को भी आसमान पर बादल छाये रहेंगे। कहीं कहीं बूंदाबांदी भी हो सकती है।

स्थानीय मौसम कार्यालय के अनुसार बीते दिन मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि बुधवार को 8.5 अंक घटकर दिन का तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस मायनस में आंका गया। इसी तरह बीते दिन मंगलवार को न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। जबकि बुधवार को 0.5 अंक बढ़कर रात का पारा 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 13.5 डिग्री सेल्सियस अधिक आंका गया। बुधवार को सुबह की आर्दता 77 प्रतिशत तथा शाम की आर्दता 78 प्रतिशत आंकी गई। दिनभर मौसम कूल कूल रहा। कहीं कहीं फुहारें तो कई जगह बूंदाबांदी होना आंका गया है। इसके साथ ही अभी आसमान पर बादलों का डेरा डला हुआ है।

14 दिन बैक हुआ तापमान

बीती पांच फरवरी से दिन के तापमान में सुधार दर्ज होने लगा था और दिनोंदिन अधिकतम तापमान में वृद्धि हो रही थी और बीते दिन मंगलवार को दिन का पारा 32.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। जबकि पश्चिमी विक्षोभ के चलते बदले मौसम से एक झटके में दिन का पारा 8.5 अंक लुढ़क गयां यहां बता दें कि बुधवार को दर्ज पारा 23.6 डिग्री सेल्सियस आंका गया है, जो कि बीते 14 दिन पूर्व 4 फरवरी को आंका गया था। लगभग 14 दिन तापमान बैक हो गया है।

बीते साल भी 18 व 19 फरवरी को हुई थी बारिश

मौसम विभाग के रिकार्ड अनुसार बीते साल 2025 में 18 व 19 फरवरी को भी बारिश हुई थी। इस दौरान 5.8 मिमी बारिश होना आंका गया था। जबकि सीजनल एक जनवरी से 20 फरवरी तक कुल 8.4 मिमी बारिश होना रिकार्ड हुआ था। जबकि इस साल थाटीपुर मौसम कार्यालय में ट्रेस होना पाया गया है। जबकि इस साल फरवरी माह के पहले सप्ताह में ही 1.2 मिमी बारिश हो गई है और सीजनल रैन का आंकड़ा 64.8 मिमी तक पहुंच गया है, जो कि बीते साल से कहीं अधिक है।

रुपयों के विवाद को लेकर बेटे ने की पिता की हत्या

- पहले दोनों ने शराब पी, फिर हुआ विवाद, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। रूपयों के लेनदेन को लेकर हुये विवाद के बाद बेटे ने पिता की लाठियों से पीट पीट कर हत्या कर दी। हत्या की वारदात 15-16 फरवरी की रात घटी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे में जमीन पर पड़े अधेड़ की नब्ज टटोली तो उसकी सांसें थम चुकी थी। हत्या की वारदात आरोन थाना क्षेत्र की है। जिस समय हत्या की वारदात घटी उस समय पिता पुत्र दोनों नशे में थे। पुलिस ने शव को पीएम के लिये भिजवाकर हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाबूलाल जाटव पुत्र लक्खुराम जाटव निवासी ग्राम आरोन की उसके बेटे ने लाठियों से पीट पीट कर हत्या कर दी। बताया जाता है कि बाबूलाल के तीन बेटे हैं। दो बेटे घर से अलग रहते हैं जबकि एक बेटा रवि जाटव अपने पिता बाबूलाल के साथ रहता है। रवि जाटव ने अपने पिता बाबूलाल जाटव को कुछ रुपए उधार दे रखे थे। 15 फरवरी की रात रवि जाटव और उसका पिता बाबूलाल जाटव दोनों नशे की हालत में घर पहुंचे और दोनों कमरे में बैठकर

शराब पीने लगे। इसी दौरान रवि जाटव ने अपने पिता बाबूलाल जाटव से उधार दिए गए रुपए वापस मांगे तो बाबूलाल ने कहा कि वह रुपए नहीं देगा। जिस पर रवि को गुस्सा आ गया और उसने कमरे में रखा डंडा उठाकर अपने पिता बाबूलाल को पीटना शुरु कर दिया। डंडे की पिटाई से बाबूलाल कमरे में ही गिर गया और बेहोश हो गया। घर में शोर शराबे की आवाज सुनकर परिजन और मौहल्ले वाले मौके पर पहुंचे तो बाबूलाल बाबूलाल जमीन पर पड़ा था और उसके शरीर में कोई हलचल नहीं हो रही थी तो पुलिस को सूचना दी।

मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की तो पुलिस ने बाबूलाल की नब्ज टटोली तो उसकी सांसे थम चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भिजवाकर आरोपी बेटे रवि को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में रवि ने बताया कि उसका पिता रुपए वापस नहीं कर रहा था, इसलिए नशे की हालत में गुस्सा आ गया और डंडे से उसकी पिटाई कर दी।

साइबर ठगों के झांसे में आकर वृद्ध ने गंवाए 10 लाख रुपए

क्रिप्टोकरेंसी का लालच देकर महिला से ठग लिए पौने चार लाख रुपए

ग्वालियर। साइबर ठग तरह-तरह के जाल बिछाकर लगातार ठगी की घटनाओं को अंजाम देने में लगे हैं। लोगों की सतर्कता, पुलिस की समझाइश कुछ काम नहीं कर रही। मुरार, गोला का मंदिर तथा इंदरगंज थाना पुलिस ने ऐसे ही तीन मामले दर्ज किए हैं जिनमें साइबर ठगों ने झूठ और फरेब का जाल बिछाकर लोगों से लाखों रुपए ठग लिए। पुलिस के पास मामले पहुंचे तो अब जांच की जा रही है कि रुपया कहां और किन खातों में पहुंचा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसर घनश्याम दत्त 79 वर्ष निवासी काल्पीब्रिज कॉलोनी गोला का मंदिर को अपना जीवित होने का प्रमाण-पत्र बनवाना था। अज्ञात आरोपी ने फर्जी तरीके से उनका

नम्बर इसमें भेज दो। अगर पिन नहीं भेजोगे तो लाइव सर्टिफिकेट नहीं बन पाएगा। बुजुर्ग घनश्याम दास ने अपना पिन योनो अकाउंट में डाल दिया। पिन डालते ही उनके खाते से पहली बार में 5 लाख, दूसरी बार में 3.50 लाख, फिक्स डिपोजिट से 1 लाख रुपए निकाल लिए। कुल 9 लाख 87 हजार रुपए ठग ने घनश्याम दत्त के खातों से निकाल लिए। गोला का मंदिर पुलिस जांच में जुट गई है।

महिला को दिया क्रिप्टोकरेंसी का लालच

साइबर ठगों ने मुरार थाना क्षेत्र के काव्या रेजीडेंसी सीपी कॉलोनी में रहने वाली अनीशा पत्नी निखिल सिंघल को क्रिप्टोकरेंसी में इन्वेस्ट कर मोटा मुनाफा देने का लालच दिया। पहले तो कुछ समय अनीशा इसे इग्नोर करती रहीं लेकिन बाद में साइबर ठग ने उन्हें अपने झांसे में ले ही लिया। पहले 1240 रुपए इन्वेस्टमेंट कराए तो उसके बदले 1400 रुपए मिल गए। थोड़ी देर में ही मुनाफा हो गया तो अनीशा सिंघल लालच में आ गईं और धीरे-धीरे 3 लाख 47 हजार रुपए इन्वेस्टमेंट कर दिए। इसमें से सिर्फ 5 हजार रुपए ही वापस मिले। यह पूरा घटनाक्रम 11 फरवरी तक चलता रहा। जब इन्वेस्टमेंट किए गए रुपए वापस नहीं आए तो साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। मुरार पुलिस जांच में जुट गई है।

प्रशांत यादव पुत्र शंकर सिंह यादव निवासी काजल टॉकीज के पीछे रहते हैं। 9 फरवरी को उनके मोबाइल पर फोन आया और फोन करने वाले ने बताया कि उनका क्रेडिट कार्ड बंद होने वाला है। क्रेडिट कार्ड चालू करवाना है तो फिर जो लिंक व्हाट्सअप पर भेजी है उसे डाउनलोड करके ओपन करो। प्रशांत यादव ने जैसे ही व्हाट्सअप पर आई लिंक को ओपन किया तो 24 घंटे के अंदर उनके खाते से 98 हजार रुपए निकल गए। बैंक से रुपए निकलने का मैसेज आया तब प्रशांत को पता चला कि उनके साथ ठगी हो गई है। साइबर सेल में शिकायत करने के बाद अब यह मामला इंदरगंज थाना पुलिस को जांच के लिए मिला है। टीआई दीप्ति तोमर ने बताया कि पता कर रहे हैं कि रुपया किन खातों में पहुंचा है।

कारतूस बेचने की फिराक में खड़े नाबालिग सहित दो पकड़े

ग्वालियर। बिना नम्बर की बाइक लेकर हाइवे पर 315 बोर के कारतूस बेचने की फिराक में खड़े दो बदमाशों को सिरोल थाना पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने बदमाशों के पास से आधा दर्जन से ज्यादा कारतूस बरामद किये है। पुलिस पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वह यह कारतूस बेचने के लिये लाये थे। पुलिस बदमाशों से पूछताछ के बाद कारतूसों के खरीददार की तलाश कर रही है। पुलिस ने दोनों बदमाशों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरोल थाने के एसआई कमल किशोर यादव मंगलवार को फोर्स के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर रहे थे। भ्रमण के दौरान जब वह फूटी फूटी कॉलोनी पहुंचे तो वहां मुखबिर मिला और बताया कि सत्यम होम्स मेन रोड पर दो लड़के खड़े हैं जिनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। सूचना मिलते ही एसआई यादव टीम के साथ सत्यम होम्स की तरफ रवाना हुए। वहां पहुंचे तो काले रंग की बाइक जिस पर नंबर नहीं था दो युवक बैठे हुए नजर आए। युवकों ने जैसे ही पुलिस को अपनी ओर आते हुए देखा तो बाइक स्टार्ट कर भागने की कोशिश की। पुलिस की सक्रियता से दोनों को पकड़ लिया गया।

दोनों से पूछताछ शुरु की तो एक ने अपना नाम मोनू कुशवाह पुत्र वीरेन्द्र सिंह कुशवाह निवासी ग्राम पिपरसेवा जिला मुरैना तथा एक नाबालिग होना बताया। पुलिस ने भागने का कारण पूछा तो कहा कि उनकी जेब में 315 बोर के कारतूस रखे हुए हैं। पुलिस के डर से सोनू कुशवाह ने जेब में रखे 3 कारतूस तथा नाबालिग ने 5 कारतूस निकालकर दिए। कारतूस मिलने के बाद पुलिस दोनों को पकड़कर थाने ले आई और उन पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर युवक को लाठियों से पीटा

ग्वालियर। बाइक सवार को घूरकर देखने पर हुआ विवाद कुछ देर बाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बाइक सवार युवक ने अपने परिजनों को बुला लिया और घर में घुसकर लाठियों से मारपीट कर दी। मारपीट में महिला व बुजुर्ग घायल हुए हैं। घटना चीनौर थाना क्षेत्र के ग्राम सेकरा की है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। श्रीराम बाथम निवासी ग्राम सेकरा बीती शाम अपने घर के बाहर खड़ा था। उसी समय वहां से गांव में रहने वाला संजय गुर्जर मोटर साइकिल से निकला। श्रीराम उसे देखने लगा तो संजय गुर्जर ने कहा कि इस तरह घूरकर क्यों देख रहा है। श्रीराम ने कहा कि वह अपनी आंखें फोड़ ले क्या? इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया और संजय गुर्जर ने अपने भाई बल्लू गुर्जर, राममोहन, प्रदीप गुर्जर को बुला लिया। संजय के तीनों भाई लाठी लेकर पहुंचे और श्रीराम के घर में घुसकर उसकी मां लक्ष्मी, पिता मचले बाथम व घर के अन्य लोगों पर हमला कर दिया। हमले में श्रीराम, लक्ष्मी बाथम तथा मचले बाथम घायल हो गए। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

पतंग उड़ाते समय दो मंजिला मकान से गिरने से बालक की मौत

- लाल टिपारा में युवक ने फांसी लगाई

ग्वालियर। पतंग उड़ाते समय 14 वर्षीय बालक दो मंजिला मकान की छत से नीचे आ गिरा। परिजनों ने बालक को गंभीर हालत में इलाज के लिए जेएएच में भर्ती कराया, जहां उसने चार दिन चले इलाज के बाद दम तोड़ दिया। घटना 14 फरवरी को मुरार थाना क्षेत्र के वंशीपुरा की है। उधर मुरार थाना क्षेत्र में ही लाल टिपारा मेंएक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने दोनों मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक शिवम सिंह पुत्र सर्वेश सिंह बघेल उम्र 14 निवासी बंशीपुरा मुरार 14 फरवरी को अपने घर की छत पर पतंग उड़ा रहा था। घर दो मंजिल बना हुआ है। पतंग उड़ाने के दौरान शिवम का पैर फिसल गया और वह दो मंजिला मकान की छत से नीचे आकर गिरा। शिवम के गिरते ही परिवार में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में परिजन उसे इलाज के लिए जेएएच लेकर पहुंचे। बच्चे की गंभीर हालत को देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया था। चार दिन इलाज होने के बाद भी शिवम की हालत में सुधार नहीं आया और बुधवार सुबह उसने अस्पताल में दुनिया को अलविदा कह दिया। शिवम की मौत होने की सूचना उसके चाचा ने पुलिस को दी। पुलिस ने शव का पीएम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लाल टिपारा में युवक फांसी पर झूला

मुरार थाना क्षेत्र के लाल टिपारा में रहने वाले 38 वर्षीय युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक महेश सैमिल 38 वर्ष लाल टिपारा में अपनी पत्नी व बच्चों के साथ रहता था। मंगलवार दोपहर उसकी पत्नी गौशाला किसी काम से गई थी और बच्चे स्कूल गए थे। घर में कोई नहीं था। महेश सैमिल ने साड़ी का फंदा बनाया और कमरे में फांसी पर झूल गया। बच्चे जब स्कूल से आए तो अपने पिता को फांसी पर लटकते देखा तो बाहर निकलकर पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने फांसी लगाने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और फांसी के फंदे पर झूल रहे महेश सैमिल को नीचे उतारा। नब्ज टटोली तब पता चला कि महेश की मौत हो चुकी है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है।

हत्या के आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम घोषित

- आधा दर्जन हत्यारोपियों ने की थी हत्या

ग्वालियर। मंगलवार की दोपहर पुराने मामले को लेकर हत्या करने वाले आरोपी अभी पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। बदमाशों की नाक में नकेल कसने के लिये पुलिस ने पुलिस ने इन पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। घटना में नामजद सभी आरोपियों पर पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह ने दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया है और पुलिस उनकी तलाश में जुट गई है।

मंगलवार को महाराजपुरा थाना क्षेत्र के गिरगांव में आरोपियों ने एक राय होकर रामसिंह उर्फ डाल सिंह पर उस समय हमला किया था जब वह अपने भाई के साथ खेत में पानी दे रहा था। मौके पर पहुंचे आरोपियों ने पहले फरियादी पक्ष से झगड़ा किया और फिर दनादन फायरिंग कर दी। पुलिस ने मौके से दो दर्जन से ज्यादा खोखे बरामद किये है। फायरिंग में रामसिंह की गोली लगने से मौत हो गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पीएम कराकर छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिनमे एक पुराना शातिर बदमाश है और उसके खाते में पहले ही काफी मामले दर्ज हैं। इसका नाम सोनू उर्फयोगेंद्र गुर्जर है। पुलिस ने सोनू के साथ-साथ लल्ला उर्फ बंटी, बबलू गुर्जर, सुमंत गुर्जर, दीपू, रामसेवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उन पर दस-दस हजार का इनाम घोषित किया है। इस मामले में सीएसपी नागेंद्र सिंह सिकरवार ने बताया कि आरोपियों की तलाश में तीन टीमें घटना के बाद से लगातार छापे मारी कर रही हैं। ग्वालियर में तो इनकी तलाश जारी है, साथ ही आसपास के जिलों में जहां-जहां भी इनकी रिश्तेदारी है वो कुंडली पुलिस के हाथ में है और इन सभी ठिकानों पर पुलिस पहुंच चुकी है। आरोपी तो अभी हाथ नहीं लगे हैं।

अनुसंधान तभी सार्थक है जब उसका लाभ आमजन तक पहुंचे: प्रो. कन्हेरे

ग्वालियर। भारत की धरती पर जीवन विज्ञान की जड़ें अत्यंत प्राचीन रही हैं। हमारे वेदों, उपनिषदों, आयुर्वेद और चरक-सुश्रुत संहिताओं में जैविक ज्ञान का अद्भुत संकलन मिलता है। लाइफ साइंसेज का संबंध केवल चिकित्सा या प्रयोगशाला अनुसंधान से नहीं है। यह कृषि, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह बात बुधवार को शुल्क विनियमन समिति मध्यप्रदेश शासन के अध्यक्ष प्रो.रविन्द्र कन्हेरे ने जेयू में ÷लाइफसाइंसेजः प्राचीन से आधुनिक युग तक का सफर÷ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही।

कार्यक्रम में प्रो. अखिलेश के. पांडे ने कहा कि जीवन विज्ञान का विकास एक सतत यात्रा है, जो प्राचीन वैदिक ज्ञान से शुरू होकर आज जीनोमिक्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी तक पहुंच चुका है। अमिटी यूनिवर्सिटी के

कुलगुरु प्रो. राजेश सिंह तोमर ने कहा कि 21वीं सदी जीवन विज्ञान की सदी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य ने कहा कि जीवन विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के विकास का आधार है। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा में आयुर्वेद, वनस्पति विज्ञान और जैव विविधता के संरक्षण का जो दृष्टिकोण मिलता है, वह आज के आधुनिक शोध के लिए भी मार्गदर्शक है। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों को शाल श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात स्मारिका का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें 80 से अधिक शोधार्थियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मधु गुप्ता ने किया। आभार व्यक्त डॉ.सपन पटेल ने किया।

इस अवसर पर प्रो. एमके गुप्ता, डॉ. सपन पटेल, प्रो. डीएन गोस्वामी, प्रो. विवेक बापट, प्रो. जेएन गौतम,प्रो.आईके पात्रो, प्रो. एसएन महापात्रा, प्रो. एसके सिंह, प्रो. एसके श्रीवास्तव, प्रो. हेमंत शर्मा, प्रो. मुकुल तेलंग,प्रो.शांतिदेव सिसौदिया, प्रो.संजय कुलश्रेष्ठ, प्रो.राधा तोमर, प्रो. महेंद्र गुप्ता, डॉ. मनोज शर्मा, डॉ. समीर भाग्यवंत, डॉ. निमिषा जादौन, डॉ. स्वर्णा परमार, प्रो. डीसी गुप्ता, डॉ. नवनीत गरूड़, प्रो. राजेंद्र खटीक, प्रो. संजय कुलश्रेष्ठ, डॉ. सतेंद्र सिकरवार, डॉ.पीके जैन सहित शोधार्थी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

ध्रुपद भारतीय शास्त्रीय संगीत की जननी है: पद्मश्री उस्ताद डागर

- बैजू बावरा महोत्सव में ताल धमार में पखावज का प्रदर्शन

ग्वालियर। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में मंगलवार को तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव का शुभारंभ हो गया। पहले दिन आयोजित संगोष्ठी और प्रस्तुतियों में देशभर से आए विद्वानों ने ध्रुपद और धमार शैलियों की परंपरा, स्वरूप और वर्तमान संदर्भों पर विस्तार से विचार रखे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दिल्ली से आए पद्मश्री उस्ताद वासिफुद्दीन डागर का उद्बोधन और गायन रहा।

ध्रुपद गायन शैली का परंपरागत एवं वर्तमान स्वरूप विषय पर बोलते हुए उस्ताद डागर ने कहा कि ध्रुपद भारतीय शास्त्रीय संगीत की जननी है। ख्याल, दादरा, ठुमरी और टप्पा जैसी शैलियां बाद में विकसित हुईं, लेकिन ध्रुपद की जड़ें अत्यंत प्राचीन और मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि संगीत की बारीकियों को समझने से पहले साधक को अपने भीतर के 'स' को खोजने का प्रयास करना चाहिए। स्वर का अध्ययन तभी सार्थक है जब वह मन

पर सकारात्मक प्रभाव डाले। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि ग्वालियर का ध्रुपद से ऐतिहासिक संबंध रहा है और यहां की सांगीतिक परंपरा देशभर में सम्मानित रही है। कार्यक्रम में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय से आईं लावण्य कीर्ति सिंह ने कहा कि ग्वालियर संगीत की नगरी है और इसके बिना भारतीय संगीत की कल्पना अधूरी है। भारतीय शास्त्रीय संगीत परंपराओं में बंधा हुआ है, किंतु वही परंपराएं उसे निरंतर आगे बढ़ाती भी हैं। संगीत शास्त्र और मंचीय प्रदर्शन, दोनों एक-दूसरे के पूरक हैंय किसी एक के बिना संगीत अधूरा है।

संगोष्ठी के दौरान नई दिल्ली से आए पं. मोहन श्याम शर्मा ने ताल धमार और पखावज की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उन्होंने ताल धमार में पखावज का प्रभावशाली प्रदर्शन भी किया, जिसमें अब्दुल हमीद ने लहरा संगति दी। महोत्सव के पहले दिन संगीत विभाग के छात्र-छात्राओं ने बैजू द्वारा रचित पद की राग जौनपुरी में चौताल पर मनोहारी प्रस्तुति दी। पखावज पर जयवंत गायकवाड़ ने संगति कर कार्यक्रम में ऊर्जा का संचार किया। शहर की युवा कलाकार योगिनी तांबे ने राग भूपाली में आलाप, मध्यलय और द्रुत लय की प्रस्तुति के साथ चौताल और जलदसूल में निबद्ध बंदिशें प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ पखावज पर जगत नारायण ने संगति की। समापन प्रस्तुति में उस्ताद वासिफुद्दीन डागर ने राग मुल्तानी में नोम-तोम आलाप, जोड़-झाला और बैजू बावरा की बंदिश 'बंसीधर पिनाकधार' प्रस्तुत की। इस मौके पर कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, वित्त नियंत्रक डॉ. आशुतोष खरे, विद्या परिषद के अशोक आनंद, अनूप मोघे, प्रयास समिति के कार्यकारी प्रो. नीरज कुमार झा सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. पारुल दीक्षित ने किया।

केआरजी कॉलेज की छात्राओं ने किया ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण

ग्वालियर। शासकीय केआरजी कॉलेज के प्राणी शास्त्र विभाग एवं इको क्लब द्वारा प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में छात्राओं को ओरछा वाइल्डलाइफ सेंचुरी का शैक्षणिक भ्रमण कराया।

इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे ने प्रकृति में जंतुओं एवं पौधों के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में भी सहायक होते हैं। आयोजन प्रभारी एवं इको क्लब इंचार्ज डॉ. मोहित आर्य ने बताया कि बेतवा एवं जामनी नदियों के तट पर स्थित ओरछा अपनी भौगोलिक स्थिति एवं शुष्क परणपति वनों के लिए प्रसिद्ध है। ओरछा वन्य जीव अभ्यारण में हिरण,

नीलगाय, वाइल्ड बोर, लोमड़ी, लंगूर, बंदर, भालू एवं तेंदुए समेत कई जंगली जानवरों एवं पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती हैं, जिसमें जलीय प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। डॉ. शक्ति भारद्वाज ने ओरछा के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व से अवगत कराया। डॉ. प्रीति मौर्य एवं डॉ. सुष्मिता श्रीवास्तव ने बेतवा नदी में पाए जाने वाले जलीय जीवों एवं जल के भौतिक रासायनिक गुणों की जानकारी दी। डॉ. प्रतिष्ठा द्विवेदी एवं डॉ. नेहा बुनकर ने परियोजना कार्य के लिए रिपोर्ट राइटिंग की जानकारी दी। भ्रमण में एमएससी प्राणी शास्त्र एवं बायोटेक्नोलॉजी की 40 छात्राएं उपस्थित थीं।

छप्परवाला पुल की खुली भूमि के संबंध में अपील निरस्त, निगम पक्ष में निर्णय

ग्वालियर । छप्पर वाला पुल स्थित खुली भूमि जैन बैटरी के सामने 4000 वर्गफुट फुट भूमि जिसकी बाजार मूल्य कीमत लगभग 25 से 30 करोड रुपए है। जिसका माननीय अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निगम के पक्ष में फैसला दिया है। अपील में भूमि निगम स्वत्व की मानी गई है। नोडल अधिकारी विधि अनूप लिटोरिया ने बताया कि माननीय अधीनस्थ न्यायालय द्वारा निगम के पक्ष में निगम आधिपत्य भूमि का एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। यह भूमि जिंसी नाला क्रमांक 01 छप्पर वाला पुल स्थित करीब 4000 वर्ग फुट से अधिक की भूमि है जिसकी मार्केट वैल्यू 25 से 30 करोड रुपए है । पूर्व में सर्वोच्च न्यायालय तक पूरन सिंह के नाम से मुकदमा चला था, जिसमें निगम के पक्ष मे फैसला हुआ था। वर्ष 2016 मे प्रदीप जैन द्वारा माननीय अधीनस्थ न्यायालय में स्वत्व स्वामित्व का वाद दायर किया गया जिसमें बताया गया यह भूमि प्लॉट क्रमांक 12 के रूप में वाले ग्वालियर विकास प्राधिकरण से मिली थी । निगम की ओर से मजबूती से पक्ष स्थापित कर बताया गया कि पूर्व में समान भूमि का बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय से निगम के पक्ष में निर्मित हो चुका है। तब अधीनस्थ न्यायालय द्वारा यह भूमि नजूल शासकीय मानकर फैसला दिया गया है । निगम की ओर से उसकी मजबूती से पक्ष रखा गया।

संपादकीय

अपने मस्तिष्क को प्रशिक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका

डॉ. विजय गर्ग

ऐसे युग में जहां सूचनाएं अंतहीन रूप से प्रवाहित होती हैं और ध्यान भटकाने वाली चीजें केवल एक क्लिक की दूरी पर होती हैं, एक तेज और चुस्त दिमाग बनाए रखना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। शरीर की मांसपेशियों की तरह, मस्तिष्क को भी सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए नियमित व्यायाम, उचित पोषण और स्वस्थ आदतों की आवश्यकता होती है। मस्तिष्क को प्रशिक्षित करना केवल तथ्यों को याद करने के बारे में नहीं है; इसमें ध्यान, रचनात्मकता, भावनात्मक संतुलन और समस्या-समाधान क्षमताओं को मजबूत करना शामिल है। नए कौशल सीखने से तंत्रिका संबंध उत्तेजित होते हैं और मस्तिष्क लचीला रहता है। किताबें पढ़ना, नई भाषा सीखना, विज्ञान का अध्ययन करना या इतिहास की खोज करना स्मृति और समझ को मजबूत करता है। पहेलियाँ सुलझाना, शतरंज खेलना या रणनीति खेलों में भाग लेना जैसी गतिविधियां तर्क कौशल और संज्ञानात्मक चपलता को बढ़ाती हैं। माइंडफुलनेस अभ्यास से ध्यान, भावनात्मक स्थिरता और विचार की स्पष्टता में सुधार होता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययनों सहित शोध से पता चलता है कि ध्यान ध्यान अवधि में सुधार कर सकता है और तनाव को कम कर सकता है। प्रतिदिन 10 मिनट भी शांत चिंतन या गहरी सांस लेने से मन शांत हो सकता है और एकाग्रता बढ़ सकती है। शारीरिक गतिविधि मस्तिष्क में रक्त प्रवाह को बढ़ाती है और नई मस्तिष्क कोशिकाओं के विकास में सहायता करती है। पैदल चलना, योग, साइकिल चलाना या स्ट्रेचिंग व्यायाम मूड और संज्ञानात्मक कार्य को बेहतर बनाते हैं। नियमित गतिविधि से तनाव हार्मोन भी कम हो जाता है, जो स्मृति और सीखने पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। संतुलित आहार मस्तिष्क स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड (जैसे अखरोट और अलसी), एंटीऑक्सीडेंट (फल और सब्जियां) और साबुत अनाज से भरपूर खाद्य पदार्थ स्मृति और एकाग्रता को बढ़ावा देते हैं। हाइड्रेटेड रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि निर्जलीकरण से ध्यान केंद्रित करने और मानसिक स्पष्टता में कमी आ सकती है। गुणवत्ता वाली नींद स्मृति समेकन और मानसिक सुधार के लिए आवश्यक है। नींद के दौरान, मस्तिष्क सूचना को संसाधित करता है और सीखने के मार्गों को मजबूत बनाता है। वयस्कों और छात्रों दोनों को एक समान नींद की दिनचर्या बनाए रखने से लाभ मिलता है। लगातार सूचनाएं और अत्यधिक स्क्रीन समय ध्यान को बाधित करता है और उत्पादकता को कम करता है। डिवाइस के उपयोग के लिए निर्धारित समय निर्धारित करने और नियमित ब्रेक लेने से मानसिक ध्यान बहाल करने में मदद मिलती है और संज्ञानात्मक दक्षता में सुधार होता है। बातचीत, टीमवर्क और सार्थक रिश्ते सोचने और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रोत्साहित करते हैं। सामाजिक जुड़ाव मस्तिष्क को भावनाओं की व्याख्या करने, उचित प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति बनाने के लिए चुनौती देता है। चित्रकारी, लेखन, संगीत या शिल्पकला जैसी रचनात्मक गतिविधियाँ कल्पना और नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं। रचनात्मकता मस्तिष्क को नए संबंध बनाने और समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रोत्साहित करती है।

निष्कर्ष

मस्तिष्क को प्रशिक्षित करना एक आजीवन यात्रा है जो सीखने, जागरूकता, शारीरिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और रचनात्मक अन्वेषण को जोड़ती है। सरल दैनिक आदतों को अपनाने से - पढ़ना, व्यायाम करना, ध्यान करना, अच्छा खाना और सामाजिक रूप से जुड़े रहना - हम मानसिक स्पष्टता, लचीलापन और उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। एक अच्छी तरह से प्रशिक्षित मस्तिष्क न केवल शैक्षणिक या व्यावसायिक सफलता में सुधार करता है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी समृद्ध बनाता है, जिससे हम स्पष्ट रूप से सोच सकते हैं, आत्मविश्वास के साथ अनुकूलन कर सकते हैं, और सार्थक ढंग से रह सकते हैं।

डॉ. विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल एजुकेशनल कॉलमिस्ट एमिनेंट एजुकेशनिस्ट स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलौट पंजाब

हम साथ हैं, फिर भी अजनबी, तेजी से भाग रहे समय में सूखती स्मृतियां और संवेदना का संवाद

हर युग का आदमी अपने मनोभावों को दूसरे तक पहुंचाने के लिए विकल रहा। जब वैज्ञानिक उपकरण नहीं थे, तब संप्रेषण के लिए प्रकृति के माध्यमों से काम चलाया। कभी कबूतर, कभी बादल संदेशवाहक बने, लेकिन किसी भी समय में कोई पवन, कबूतर बादल इतने समझदार नहीं रहे कि वे आदमी की भाषा, भावों को यथावत प्रेषित कर सके।

दुनिया के हर व्यक्ति के जीवन में स्मृति रहती है, चाहे बुरी हो या भली। उदासी के लिबास में लिपटे रहते हैं कभी कुछ सुख के क्षण, जिनमें मोह और ममता के अवशेष होते हैं। यह भी कि स्मृति को सामूहिकता से जोड़ दिया जाए, तो स्मृति जन-स्मृति बन जाती है। रेलगाड़ी में बैठकर सुख के स्टेशन पर उतरने जैसी स्मृतियां भी जीवन में होती हैं, तो कभी खत्म न होने वाली यात्रा बन जाती है स्मृति। यह व्यक्तिपरकता से सामूहिक-चेतना की ओर बढ़ने का साधन भी है, क्योंकि स्मृति संवादप्रिय होती है।

हर युग का आदमी अपने मनोभावों को दूसरे तक पहुंचाने के लिए विकल रहा। जब वैज्ञानिक उपकरण नहीं थे, तब संप्रेषण के लिए प्रकृति के माध्यमों से काम चलाया। कभी कबूतर, कभी बादल संदेशवाहक बने, लेकिन किसी भी समय में कोई पवन, कबूतर बादल इतने समझदार नहीं रहे कि वे आदमी की भाषा, भावों को यथावत प्रेषित कर सके। इधर विज्ञान ने संवाद के लिए उपकरण खोजे हैं, जो प्रकृति की धड़कनों पर सवार होकर भावों और विचारों को सहजता से संप्रेषित करने लगे, तब से संप्रेषणीयता तो सहज हो गई, मगर विचारों में परिपक्वता प्रायः समाप्त हो गई। प्रतीक्षा इंसान के भीतर व्याकुलता पैदा करती है, लेकिन उसे भीतर से धीरज रखने का गुण भी सिखाती है।

दिनचर्या के निष्कर्ष ही भविष्य की नींव रखते हैं

हमारे जीवन की नियमितता की निरर्थकता भी एक सामाजिक आत्महत्या ही है। इसलिए दिनचर्या के निष्कर्ष ही भविष्य की नींव रखते हैं। दिनचर्या की स्मृति जीवन की उत्तर-मीमांसा है। इसमें जोड़-तोड़ की घनीभूत बातें होती हैं, तो सुख-दुख के हर्ष-शोकग्रस्त क्षण भी। आंसू की हिचकी ऊपर आए, तो शायद हम स्मरण कर सकें बहुत कुछ ऐसा जो अपने भीतर या अपने आसपास, अपने ही बीच से गुजरा हो। किसी की होड़ या दौड़ में जीवन खपाने वाले हम स्मृतियों का प्रतिबिंब देखना चाहते हैं, लेकिन उनसे संवाद करने का धैर्य नहीं जुटा पाते। विमर्शों को सीढ़ी बनाकर हम एक नया विमर्श खड़ा कर देते हैं, जिसमें मूल स्मृति कहीं विलोपित हो जाती है। अंत में हम उसी नए को स्मृति मानकर बहुत आगे निकल जाते हैं।

दरअसल, हम जीवन के एकांत और मन के अंतरतम के यथार्थ से वंचित रह गए हैं। शायद इसलिए हमें पता नहीं कि पहाड़ों को लीपा नहीं, लांघा जाता है। पहाड़ों पर भटकाव के मोड़ों पर किसी फूल की सुगंध से कई बार रास्ते पार होते हैं। अंधेरा हो या रोशनी, अंकुर का बढ़ना नहीं रुकता। लता अपना गंतव्य खोज ही लेती है। किसी फूल का इशारा उसकी सुगंध ही देती है। तितलियों की आवाजाही उसे उत्सव में बदल देती है, जब कोई कवि, सर्जक रच देता है उस दृश्य में बसे शब्द को और बच्चे गुनगुनाते हैं उसे प्रार्थनाओं में, तो कभी लोरी समझकर। जिस विचार को लेकर हम स्वयं को बुद्धिजीवी समझते हैं, उस विचार की भूमिका केवल व्याख्याकार की नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व वहन करने वाली नैतिक चेतना की भी है। हमारी आंखों के सामने काफी बड़ा हिस्सा प्रतिदिन, अनवरत रेलों और बसों में यात्रा करता है। ऐसे में कितने गहरे और सूक्ष्म अनुभव जीवन में जुड़ते हैं। हम उनमें उतना ही याद रख पाते हैं, जितने से हमारा समय बाधित होता है। शेष को नजरअंदाज करना हमारे परस्पर मनुष्य होने पर संदेह पैदा करती है। हम एक-दूसरे के सामने होकर भी एक-दूसरे के सुख-दुख से कितने अपरिचित हैं! कभी-कभी लगता है आंसुओं का होना कितनी बड़ी आश्वस्ति है। आंसू ऐसी आर्द्रता हैं, जो धरती और हवा में भी नमी बचाए हुए हैं। शायद यही संवेदनशील या कारुणिक होने की अंतिम निशानी है। आंसू कई तरह से आंखों में भरते हैं और वे कैसे पोंछे जाते हैं, इस बात में इंसानियत के रहस्य छिपे हुए हैं। हमने नहीं जाना। इस तेज भागती दुनिया में कौन शर्मीले गड़रियों की तरह धीरे चलने का गुण रखता है? दुनियाभर की आत्मनिर्भर और अपने भरोसे खड़ी हुई महिलाओं का स्त्री विमर्श और गीली हवाओं-सी घुल मिल जाने वाली घर की मां-बहनों, भाभियों, चाचियों, बुआओं, बहुओं का स्त्री विमर्श कभी एक नहीं होता। भला ऐसा क्यों? महानगरों में बन रही गगनचुंबी इमारतों के निकट मजदूर महिलाएं। उस स्त्री के जीवन में सुख है भी या नहीं, वह नहीं जानती, लेकिन वे सदा हारी हुई परिस्थिति में ही काम करती हैं। हम सबकी समस्याएं कितनी भिन्न हो गईं? ध्वनि में यह अद्भुत गुण है कि एक क्षण में ही वह हमें किसी दूसरे समय-संदर्भ में पहुंचा सकती है, लेकिन उन तक पहुंचने का मार्ग हमने ही दुर्गम बना दिया है। कुछ हमारे ही निर्मित कानफोडू शोर, तो कुछ हमारी अतिव्यस्तताओं में हमें हमारे ही भीतर की ध्वनि सुनाई नहीं देती, आगे की दुनिया दिखाई नहीं देती। हम केवल उस दुनिया को जीते हैं, जो समय पूरा करते हुए आगे बढ़ती है। प्रगतिशीलता के नए दौर में निजता के अभिजात में लफ्फाजी से छुटकारा पाना सहज नहीं। शायद इसलिए इन दिनों संवेदनशील युवकों के चित्त में भी एक विचित्र प्रकार का अजनबीपन, संत्रास, असहाय वृत्ति और निराशा का वातावरण बना हुआ है।स्मृति भले ही हमारे भीतर सूख जाए, लेकिन पानी की कुछ मिकदार (मात्रा) आंखों में बची रहे। यही क्रूर समय में मानवीय सभ्यता का सबसे मार्मिक दृश्य है, जो सब कुछ भूल जाने के बाद भी यह बचाए रखता है कि वह मनुष्य हो। ठीक उसी तरह जैसे फूल, तितली और शब्द। एक कविता की पंक्तियां हैं- 'तुम्हारे भीतर पानी सूख रहा है/ तुम्हारे भीतर हवा खत्म हो रही है/ और तुम्हारे समय पर कोई और कब्जा कर रहा है।'मौन निशब्द है, लेकिन यह भाषा है, भाव, शब्द, अर्थ, साधना, भक्ति, शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, सुंदर और मुखर भी है। यह अमूल्य आभूषण भी है। मौन को जितनी भी उपाधि दी जाए, कम ही है। यह कमजोरी नहीं है, बल्कि यह शक्तिशाली है। कभी-कभी हम बोलकर शब्दों के जरिए जितना सटीक अपने आप को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं, उससे ज्यादा चुप रहकर बोल लेते हैं।

विवाह के पंडाल में किताबों की प्रदर्शनी: एक नई और सराहनीय पहल

डॉ विजय गर्ग

भारतीय विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि संस्कृतियों, परिवारों और मूल्यों का उत्सव होता है। बदलते समय के साथ विवाह समारोहों में नई-नई परंपराएँ जुड़ रही हैं। इसी क्रम में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल उभरकर सामने आई है–विवाह के पंडाल में किताबों की प्रदर्शनी। यह नई रिवाज़ न केवल समारोह को अलग पहचान देती है, बल्कि समाज में ज्ञान और पढ़ने की संस्कृति को भी बढ़ावा देती है।

परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम

पहले विवाह समारोहों में सजावट, संगीत और भोजन मुख्य आकर्षण होते थे। आज शिक्षित और जागरूक परिवार विवाह को एक सामाजिक संदेश देने का अवसर मान रहे हैं। पुस्तक प्रदर्शनी इस सोच का प्रतीक है–जहाँ उत्सव के साथ ज्ञान का प्रसार भी होता है।

मेहमानों के लिए अनोखा अनुभव

विवाह में आए मेहमान अक्सर खाली समय में बातचीत या मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। यदि पंडाल में किताबों का एक आकर्षक कोना सजाया जाए तो अतिथि साहित्य, प्रेरक पुस्तकों, बच्चों की कहानियों, आध्यात्मिक ग्रंथों या प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकों को देख सकते हैं। इससे समारोह में सार्थक सहभागिता बढ़ती है।

उपहार देने की संस्कृति में सकारात्मक बदलाव

कई परिवार नकद या सजावटी वस्तुओं की बजाय मेहमानों को पुस्तकें भेंट करने लगे हैं। यह परंपरा 'ज्ञान का उपहार' देने की प्रेरणा देती है। एक अच्छी पुस्तक जीवन भर साथ रहती है और पाठक के विचारों को समृद्ध करती है।

बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा

विवाह समारोह में पुस्तक प्रदर्शनी बच्चों और युवाओं को पढ़ने की ओर आकर्षित करती है। रंगीन चित्र पुस्तकों से लेकर विज्ञान, जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास की किताबें उन्हें नई दिशा दे सकती हैं।

सामाजिक संदेश: ज्ञान ही सच्ची संपत्ति

ऐसी पहल समाज को यह संदेश देती है कि वैभव और दिखावे से अधिक महत्वपूर्ण है ज्ञान और संस्कार। यह रिवाज़ पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देकर समाज को जागरूक और शिक्षित बनाने में योगदान दे सकती है।

कैसे करें आयोजन?

एक अलग पुस्तक कोना या स्टॉल तैयार करें विभिन्न आयु वर्ग के लिए किताबें रखें, स्थानीय लेखकों की पुस्तकों को शामिल करें, मेहमानों के लिए 'एक किताब साथ ले जाएँ' व्यवस्था करें

अपनी पसंद और विचारधारा को प्रदर्शित करने का एक मंच भी बन गई हैं। जहाँ पहले शादियों में केवल भव्य सजावट, डीजे और पकवानों की चर्चा होती थी, वहीं अब 'किताबों की प्रदर्शनी' जैसा एक अनूठा रिवाज अपनी जगह बना रहा है। यह बदलाव समाज की बदलती सोच और बौद्धिक विकास का परिचायक है।

इस रिवाज की शुरुआत क्यों?

आज की युवा पीढ़ी 'दिखावे' से ऊपर उठकर कुछ 'सार्थक' करने की ओर अग्रसर है। विवाह में किताबों की प्रदर्शनी लगाने के पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

बौद्धिक उपहार: लोग अब प्लास्टिक या शो-पीस के बजाय ज्ञान बाँटने में विश्वास रख रहे हैं।

सार्थक स्वागत: मेहमानों के लिए खाने-पीने के साथ-साथ फुर्सत के पलों में अच्छी किताबें पढ़ना एक नया और सुखद अनुभव होता है।

प्रेरणा का स्रोत: नई पीढ़ी और बच्चों को डिजिटल दुनिया से हटाकर कागजों की महक और पढ़ने की संस्कृति से जोड़ना।

कैसे बदल रही है यह परंपरा?

इस नए रिवाज को अलग-अलग तरीकों से अपनाया जा रहा है:

दिखावे से ऊपर 'बौद्धिक विकास'

शादियाँ अक्सर केवल दिखावे का जरिया बन जाती हैं। पंडाल में किताबों की मौजूदगी यह संकेत देती है कि परिवार संस्कार और ज्ञान को भौतिक संपदा से ऊपर रखता है। यह मेहमानों को एक नई चर्चा का विषय देता है– खाने के स्वाद के अलावा किताबों के विषय पर भी बात हो सकती है।

'रिटर्न गिफ्ट' के रूप में किताबें

अक्सर शादियों में हम मिठाई के डिब्बे या प्लास्टिक के सामान उपहार में देते हैं। इसकी जगह यदि प्रदर्शनी से मेहमान अपनी पसंद की किताब चुनकर घर ले जा सकें, तो यह उनके जीवन पर स्थायी प्रभाव छोड़ेगा। एक अच्छी किताब किसी के विचार बदल सकती है।

बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा

शादी में आए बच्चे और युवा अक्सर शोर-शराबे से ऊब जाते हैं। एक कोना जहाँ रंग-बिरंगी किताबें, कॉमिक्स या प्रेरणादायक कहानियाँ हों, उन्हें मोबाइल स्क्रीन से दूर कर पढ़ने की आदत की ओर मोड़ सकता है।

सांस्कृतिक विरासत का संगम

विवाह दो परिवारों और संस्कृतियों का मिलन है। प्रदर्शनी में अगर:

साहित्य और इतिहास की किताबें हों।

स्थानीय लेखकों की रचनाएँ हों।

पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों पर आधारित पुस्तकें हों।

...तो यह उत्सव की गरिमा को कई गुना बढ़ा देता है।

पढ़ने के महत्व पर संदेश बोर्ड लगाएँ

निष्कर्ष

विवाह के पंडाल में किताबों की प्रदशानी एक छोटी पहल होते हुए भी बड़े सामाजिक बदलाव का संकेत है। यह परंपरा उत्सव को ज्ञान से जोड़ती है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। यदि यह नई रिवाज़ व्यापक रूप से अपनाई जाए, तो विवाह समारोह केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि ज्ञान-वितरण का उत्सव भी बन सकते हैं।

विवाह में रोशनी के साथ यदि ज्ञान की ज्योति भी जले, तो समाज का भविष्य और उज्ज्वल हो सकता है।

डॉ विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

तंक का जवाब दिया, मगर वादा भूल गए

इस हमले में महाराष्ट्र के पुणे जिले के निवासी संतोष जगदाले की भी गोली लगने से मौत हो गई थी। तब राज्य सरकार ने संतोष की बेटी असावरी जगदाले को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हो पाया है। इसे सरकार की अनदेखी या लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि इस पीड़ित परिवार को अब गंभीर आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा है।

पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस वारदात को देश की संप्रभुता पर हमले से जोड़कर देखा गया और बाद में जवाबी कार्रवाई के रूप में 'आपरेशन सिंदूर' चलाया गया, जिसके तहत सीमा पार पाकिस्तान की धरती पर कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। भारत का यह जवाब काबिल-ए-तारीफ है, लेकिन सवाल है कि सरकार की ओर से इसी तरह की इच्छाशक्ति पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों के परिवारों की सुध लेने में नजर क्यों नहीं आ रही है?

इस हमले में महाराष्ट्र के पुणे जिले के निवासी संतोष जगदाले की भी गोली लगने से मौत हो गई थी। तब राज्य सरकार ने संतोष की बेटी असावरी जगदाले को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हो पाया है। इसे सरकार की अनदेखी या लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि इस पीड़ित परिवार को अब गंभीर आर्थिक संकट से जूझना पड़ रहा है।

यह बात छिपी नहीं है कि देश में सरकारी तंत्र की गाड़ी बिना धक्के के आसानी से आगे नहीं बढ़ पाती है। अक्सर देखने में आता है कि शासन के स्तर पर जब कोई सामान्य निर्देश दिया जाता है, तो वह कई दिनों तक सरकारी दफ्तरों के कागजों में उलझा रहता है। पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले संतोष जगदाले की बेटी असावरी के मामले में भी स्थिति इससे अलग नहीं है।

सरकार ने नौकरी का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ

सरकार की ओर से संवेदना स्वरूप उन्हें नौकरी देने का एलान तो कर दिया गया, लेकिन उस पर आगे की कार्रवाई ठंडे बस्ते में डाल दी गई। असावरी का कहना है कि उन्होंने कई स्तर पर इस मसले को उठाया, लेकिन कहीं कोई सक्रियता नहीं दिखाई गई। थक-हारकर जब उन्होंने मीडिया के साथ अपनी परेशानी साझा की, तो सरकारी तंत्र भी तत्काल हरकत में आ गया।

राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय की ओर से कहा गया कि असावरी को सरकारी महकमे में नियुक्ति देने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे शासन-प्रशासन की असंवेदनशीलता और उदासीनता साफ जाहिर होती है, जिसे दुरुस्त करने की जरूरत है।

पहलगाम में टूरिस्ट पर हुए हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। इस घटना से पुणे के संतोष जगदाले के परिवार पर भी दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। इस हमले में संतोष जगदाले की मौत हो गई थी। जिसके बाद उनके परिवार के सदस्य को नौकरी देने का वादा किया गया था। हालांकि, वह वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

खाने की कीमत पूरी लेकिन थाली में भरोसे की कमी

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

भारतीय रेलवे के बारे में अक्सर यह दावा किया जाता है कि इसके समग्र संचालन को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सेवा के समकक्ष बनाया जाएगा। मगर हकीकत यह है कि हादसों, सफर के दौरान निर्धारित समय पर गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने से लेकर ट्रेन के भीतर साफ-सफाई और खानपान के मामले में कई बार स्थिति बेहद दयनीय और खराब दिखती है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन ट्रेनों को विशेष सुविधा वाला बताया जाता है, उनमें परोसा गया भोजन भी अक्सर खराब निकल जाता है और यात्री ठगे-से रह जाते हैं। खबरों के मुताबिक, हर रोज पैंतीस से ज्यादा लोग रेलवे के खराब खाने को लेकर शिकायत करते हैं।

खाने में तिलचट्टा, दूसरे कीड़ों या अखाद्य वस्तुओं के मिलने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। साथ ही, भोजन की मात्रा और तय कीमतों से ज्यादा राशि वसूलने की समस्या भी आम देखी जा सकती है। सवाल है कि अगर उच्च गुणवत्ता और सेवा का दावा करके खाने-पीने के मामले में भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है, तो उसे कैसे देखा जाएगा।

सफर के दौरान यात्री थोड़ी सुविधा के लिए ट्रेन में मिलने वाला खाना पैसा चुका कर लेना चाहते हैं। कई ट्रेनों में सफर के दौरान टिकट के साथ खाने-पीने के सामान के लिए राशि चुकाने का भी विकल्प है। मगर विडंबना यह है कि पूरी कीमत चुकाने के बावजूद कई लोगों की थाली में ऐसा खाना होता है, जिसे खाया नहीं जा सकता।

ट्रेनों में मिलने वाले खराब खाने को लेकर आए दिन शिकायतें आती रहती हैं और कई बार विवाद भी होते हैं। ऐसी खबरें भी सामने आई, जिनमें भोजन के खराब होने पर आपत्ति जताने पर ट्रेन में मौजूद कर्मियों ने यात्री से दुर्व्यवहार किया।

खुद सरकार ने पिछले वर्ष जुलाई में राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया था कि 2024-25 के दौरान खाने-पीने के सामान की खराब गुणवत्ता के संबंध में 6,645 शिकायतें मिलीं। जबकि 2021 से अगले चार वर्षों में रेलवे को इस तरह की कुल 19,174 शिकायतें मिलीं। ऐसे भी मामले होंगे, जिनमें किसी यात्री को खराब भोजन मिला, लेकिन उसने औपचारिक शिकायत नहीं की।

हालांकि रेल महकमे में कहने को एक ढांचा है, जिसके तहत गुणवत्ता में सुधार के लिए डिजाइन किए गए रसोई से खाना बनवाने और ट्रेनों तक पहुंचाने से लेकर खाना बनाने पर निगरानी, खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षक की तैनाती और अच्छी सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने का दावा किया जाता है।

इसके अलावा, अगर खाने में अस्वच्छता या मिलावट पाई जाती है, खाना खराब हो, तो यात्री शिकायत करते हैं। कई मामलों में कार्रवाई भी होती है, जिसमें जुर्माना लगाना, अनुशासनात्मक कार्रवाई, काउंसलिंग करना और चेतावनी देना शामिल है।

खराब खाने की शिकायत के बाद भोजन की आपूर्ति करने वालों पर जुर्माना लगाने की खबरें आती हैं, लेकिन कुछ समय बाद फिर सब पहले की तरह चलता रहता है। सवाल है कि रेल मंत्रालय इसमें सुधार को लेकर कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाता कि ट्रेन में मिलने वाले भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को लेकर यात्री पूरी तरह आश्वस्त रहें।

अगर रेलवे के लिए अपने तंत्र के तहत स्वच्छ भोजन मुहैया कराना संभव नहीं है, तो ट्रेनों में खाना देने का ठेका अलग-अलग कंपनियों को देने और उसमें बेहतर गुणवत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा की व्यवस्था बनाने की कोशिश क्यों नहीं की जाती?

रणजी ट्रॉफी- 67 साल में जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में, बंगाल को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली। 67 साल के घरेलू क्रिकेट इतिहास में पहली बार जम्मू-कश्मीर रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गया है।कल्याणी में खेले गए रणजी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने दो बार की पूर्व चैंपियन बंगाल को 6 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जीत के लिए मिले 126 रनों के छोटे लक्ष्य को टीम ने चौथे दिन 34.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

वंशज शर्मा ने 43 रन बनाए, जबकि ढ्ढक्र स्टार अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत तक पहुंचाया। इस जीत के हीरो तेज गेंदबाज आकीब नबी रहे, जिन्होंने मैच में कुल 9 विकेट लेकर बंगाल की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। इसके अलावा उन्होंने पहली पारी में 42 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान भी दिया। समद की आक्रामक बैटिंग और वंशज का छक्का मैच के चौथे दिन जम्मू-कश्मीर को जीत के लिए 83 रनों की जरूरत थी और उनके 8 विकेट सुरक्षित थे। सुबह के सत्र में शुभम पुंडीर (27) और कप्तान पारस डोगरा (9) जल्दी आउट हो गए, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया था। इसके बाद अब्दुल समद और 22 साल के युवा वंशज शर्मा ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 55 रनों की अटूट साझेदारी हुई। समद ने अपनी 27 गेंदों की पारी में 3 छक्के और 1 चौका लगाकर बंगाल के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। मैच का अंत वंशज शर्मा ने मुकेश कुमार की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार छक्का लगाकर किया।

ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऑरा खत्म हो गया है : ग्लेन मैकग्रा

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 में ऑस्ट्रेलिया का सफर समाप्त हो चुका है। जिम्बाब्वे और श्रीलंका के खिलाफ ग्रुप स्टेज में मिली करारी हार की वजह से ऑस्ट्रेलिया को टूर्नामेंट के प्रथम चरण से ही बाहर होना पड़ा। ऑस्ट्रेलियाई टीम के बाहर होने के बाद पूर्व क्रिकेटरों ने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की आलोचना की है। पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऑरा खत्म हो गया है। मॉर्निंग हेराल्ड से बात करते हुए ग्लेन मैकग्रा ने कहा, 'हमने इस विश्व कप की शुरुआत में ही चिंता जताई थी। टूर्नामेंट के नतीजे हैरान करने वाले नहीं हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम का दबदबा खत्म हो गया है।' ग्लेन मैकग्रा ने विश्व कप स्क्वॉड में कैमरन ग्रीन को जगह देने के लिए चयनकर्ताओं की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा, 'चयनकर्ताओं ने स्टीव स्मिथ पर प्राथमिकता देते हुए कैमरन ग्रीन को टीम में जगह दी थी, लेकिन अगर वह गेंदबाजी नहीं कर पा रहा है तो टीम में किस तरह उसकी जगह बनती है। '

कैमरन ग्रीन को एक ऑलराउंडर के रूप में विश्व कप में चुना गया था, लेकिन वह बल्लेबाजी में फ्लॉप रहे, तो गेंदबाजी से पूरी तरह दूर रहे।

ग्रीन ने ग्रुप स्टेज के तीन मैचों में 24 रन बनाए हैं। इसमें एक मैच में शून्य भी शामिल है। वहीं, तीन मैचों में सिर्फ 7 गेंदें ही फेंक सके हैं। इसके बाद से ही उनके चयन पर सवाल उठने लगे हैं।ग्लेन मैक्ग्रा के साथ कभी ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी की रीढ़ रहे जेसन गिलेस्पी ने भी विश्व कप की टीम में कैमरन ग्रीन और कूपर कोनोली के चयन पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा, 'कूपर कोनोली और कैमरन ग्रीन पर जो भरोसा चयनकर्ताओं ने किया था, उस पर वे खड़े नहीं उतरे। '

कनाडा के पूर्व कप्तान नवनीत धालीवाल ने किया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली। कनाडा क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नवनीत धालीवाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। टी20 विश्व कप में 19 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ चेन्नई में होने वाले मुकाबले के बाद धालीवाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। कनाडा के इस दिग्गज खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद संन्यास की घोषणा की। 37 साल के धालीवाल ने कहा कि मैंने पूर्व में ही फैसला कर लिया था कि विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला मैच मेरा आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। धालीवाल ने अपने करियर में टी20 विश्व कप 2024 के लिए क्वालीफाई करने, उस विश्व कप के शुरुआती मैचों में रन बनाने और कनाडा का कप्तान बनने को करियर के यादगार लम्हों में से एक बताया।

उन्होंने संन्यास के बाद कोचिंग क्षेत्र में कदम रखने और युवाओं को मदद करने की इच्छा जाहिर की।

धालीवाल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाने वाले युवराज समरा की तारीफ करते हुए कहा कि न्यूजीलैंड दुनिया की सबसे अच्छी टीमों में से एक है। उस टीम के खिलाफ शतक बनाना इस बात का सबूत है कि हमारे कनाडा में क्रिकेट तेजी से आगे बढ़ रहा है।

धालीवाल अपने करियर का समापन टी20 फॉर्मेट में कनाडा के सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में करेंगे। 2019 में टी20 में डेब्यू करने वाले धालीवाल 48 मैचों की 46 पारियों में 10 अर्धशतक की मदद से 1,305 रन बना चुके हैं।

वहीं 2024 में वनडे में डेब्यू करने वाले नवनीत ने 18 मैचों की 17 पारियों में 4 अर्धशतक की मदद से 456 रन बनाए हैं।

इस दिग्गज खिलाड़ी ने कनाडा के लिए 29 टी20 और 4 वनडे मैचों में कप्तानी की है। उनकी कप्तानी में कनाडा ने 21 मैचों में जीत हासिल की।

कनाडा टी20 विश्व कप 2026 में ग्रुप डी में शामिल है। दिलप्रीत बाजवा की कप्तानी में खेल रही टीम

साउथ अफ्रीका की लगातार चौथी जीत यूएई को 6 विकेट से हराया

साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के 34वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 6 विकेट से हरा दिया। टीम की इस वर्ल्ड कप में लगातार चौथी जीत है। वहीं, यूएई की तीसरी हार है। साउथ अफ्रीका सुपर-8 में पहले ही पहुंच चुकी है और यूएई बाहर हो चुकी है। दोनों टीमों का यह आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला था।

साउथ अफ्रीका ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया।श्च ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाए। 123 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका ने 13.2 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

साउथ अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस ने 36, रयान रिकेल्टन ने 30, ऐडन मार्करम ने 28 और क्विंटन डी कॉक ने 14 रन बनाए। जेसन स्मिथ (3) और ट्रिस्टन स्टब्स (6) नाबाद रहें।श्च के लिए मुहम्मद फारूक, हैदर अली, मुहम्मद अरफान और मुहम्मद जवादुल्लाह को 1-1 विकेट मिला।

यूएई के लिए अलीशान शराफू ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान मुहम्मद वसीम 22, ओपनर अर्यांश शर्मा ने 13 और मुहम्मद अरफान ने 11 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने 3 और एनरिक नॉर्त्या ने 2 विकेट लिए। जॉर्ज लिंडे को 1 विकेट मिला। कॉर्बिन बॉश को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

साउथ अफ्रीका: ऐडन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, रयान रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, जेसन स्मिथ, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, कगिसो रबाडा, क्वेना मफाका, एनरिक नॉर्त्या।

..

व्यापार

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में जियो ने रखा 'नेशन-फर्स्ट् एआई स्टैक' का खाका

नई दिल्ली। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में जियो ने अपने 'नेशन-फर्स्ट् एआई स्टैक' की रूपरेखा पेश की। कंपनी तकनीकी रूप से इसे 'जियो एआई स्टैक' नाम देती है और दावा करती है कि इसे भारत की जरूरतों और बड़े पैमाने की मांग को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। जियो इंटेलिजेंस के तहत विकसित किया जा रहा यह स्टैक केवल डेटा सेंटर तक सीमित नहीं है, बल्कि एक फुल-स्टैक एआई इकोसिस्टम के रूप में तैयार किया जा रहा है।

'जियो एआई स्टैक' में गीगावॉट स्तर के ग्रीन डेटा सेंटर, उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग व्यवस्था, प्लेटफॉर्म और फ्रेमवर्क, भारतीय भाषाओं पर आधारित डेटा फाउंडेशन, बहुभाषी इंटेलिजेंस लेयर और विभिन्न क्षेत्रों के लिए एप्लिकेशन शामिल हैं। देश में मल्टी-गीगावॉट एआई डेटा सेंटर विकसित किए जा रहे हैं, जो 100% ग्रीन एनर्जी से संचालित होंगे, ताकि राष्ट्रीय स्तर की टिकाऊ एआई क्षमता तैयार की जा सके।

'जियो एआई स्टैक' को एक 'सॉवरेन'एआई इकोसिस्टम के रूप में प्रस्तुत किया गया है, यानी ऐसा ढांचा जो देश में विकसित हो और राष्ट्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित हो। कंपनी का कहना है कि इसके जरिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, छोटे व्यवसायों और रोजमर्रा की सेवाओं में ढ्ढ आधारित समाधान विकसित किए जा सकते हैं।कंपनी के मुताबिक जियो ढ्ढ स्टैक का फोकस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को हर भारतीय, साथ ही एंटरप्राइज और सरकारी संगठनों के लिए सुलभ और किफायती बनाना है। इसके तहत भारतीय भाषाओं को समझने और स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने वाली एआई क्षमताओं पर विशेष जोर दिया गया है।स्थानीय संदर्भ में विकसित इंटेलिजेंस के लिए व्यापक भारतीय भाषाओं के डेटा सेट तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही सुरक्षित, बहुभाषी वॉयस एआईऔर एजेंटिक प्लेटफॉर्म पर काम किया जा रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपनी भाषा में सहज एआई इंटरैक्शन कर सकें।

राजेश दंडोतिया का साइबर जागरूकता में रिकार्ड, वर्ल्ड बुक ने किया सम्मानित

संजय त्रिपाठी

ग्वालियर। ग्वालियर में एडीशनल एसपी रहे व अब इंदौर के एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया का नाम इन दिनों पूरे देश के सायबर विशेषज्ञों की श्रेणी में ख्याति पा रहा है। वर्तमान में सायबर ठगों के बढ़ते सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये उन्होंने आमजन को जागरूक करना की बीड़ा उठाया और सायबर जागरूकता का रिकार्ड बनाया। जिस कारण उन्हें वर्ल्ड बुक ने सम्मानित किया है। वर्तमान में राजेश दंडोतिया को सायबर जगत का सिंघम भी कहा जाता है।

इंदौर शहर के एडीशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने ड्यूटी पर रहते हुये 1100 साइबर अवेयरनेस सेशन पूरे कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जानकारी के अनुसार श्री दंडोतिया इतनी बडी संख्या में साइबर जागरूकता सेशन पूरे करने वाले वे देश के एकमात्र पुलिस अधिकारी बन गए है। स्कूल, कालेज, सरकारी, निजी संस्थान, पब्लिक कार्यक्रम, पाडकास्ट इंटरव्यू और वन टू वन सेशन के जरिए उन्होंने हजारोंलोगों को साइबर अपराध से बचने के तरीके बताए और हजारों लोगों ने सायबर ठगी से बचाया है। अपनी आक्रामक कार्यशैली और सख्त कार्रवाई के लिए पहचाने जाने वाले श्री दंडोतिया लगातार अपराधियों पर शिकंजा कसने के साथ -साथ समाज को डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने के मिशन पर काम कर रहे है। राजेश दंडोतिया की अब साइबर अपराधों में इतनी अधिक विशेषज्ञता हासिल है कि अब दूरदराज से लोग व अन्य जिलों की पुलिस भी उन्हें साइबर क्राइम पर व्याख्यान के लिये आमंत्रित करने लगी है। देशभर में साइबर क्राइम से संबंधित व्याख्यान के लिए उन्हें बुलाया भी जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने अभी हाल ही में 1100 साइबर अवेयरनेस सेशन भी पूरे कर एक रिकार्ड बनाया है। राजेश दंडोतिया द्वारा साइबर क्षेत्र में साइबर क्राइम रोकने के लिये की जा रही पहल, नवाचार पर मुख्यमंत्री डा मोहन यादव , डीजीपी मध्यप्रदेश कैलाश मकवाना व इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह भी उनकी सराहना कर चुके है। एडीशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया को विभिन्न अवार्ड भी मिले है। जिनमे अशोक अवार्ड दिल्ली सेन्ट्रल, डीजीडीआई एससी अवार्ड, कर्मवीर अवार्ड, ईटीवी के सितारे, एफ्सीआरएफ के साथ ही मेरीलैंड यूनीवर्सिटी अमेरिका से मानसेवी डाक्टरेट की उपाधि भी मिली है। एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने साइबर सेफ्टी पुलिसिंगऔर पब्लिक अवेयरनेस, कंट्रीव्यूटिंग सिग्नीफिक्रेंटली टू डिजीटल लिटरेसी एंडरिस्पोंसिबल आन लाइन विहेवियर इन इंडिया जैसे प्रमुख मुददों पर चार से अधिक पुस्तकें लिखी है।

उल्लेखनीय है कि ग्वालियर में सीएसपी रहते हुये उनकी कार्यशैली को देखकर उनके शुभचिंतक और पुलिस अधिकारी उन्हें डान के नाम से पुकारते थे और जब वह ग्वालियर से जबलपुर स्थानांतरित होकर गये तो यहां पर उनके शुभचिंतक उन्हें चुलबुल पांडे के नाम से पुकारने लगे और वर्तमान में सायबर क्राइम में ख्यातिप्राप्त करने के बाद उनके शुभचिंतक उन्हें सिंघम के रूप में पुकारते है।

पीएम मोदी ने फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

भारत-ईयू एफटीए के लिए फिनलैंड का जताया आभार

नई दिल्ली। एआई इम्पैक्ट के दौरान पीएम मोदी ने फिनलैंड के प्रधानमंत्री पेटेरी ओर्पो के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इसे दोनों देशों के संबंधों के लिए अहम माना जा रहा है। बैठक में व्यापार, उभरती प्रौद्योगिकियों और सतत विकास जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के समर्थन के लिए फिनलैंड के प्रधानमंत्री का आभार जताया और कहा कि इससे भारत-यूरोप संबंधों में एक नए दौर की शुरुआत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है, जिससे आर्थिक साझेदारी को और मजबूती मिलेगी।

इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर दिया गया जोर

वार्ता के दौरान 6जी, इनोवेशन, क्लीन एनर्जी, बायोफ्यूल, सर्कुलर इकॉनमी, डिजिटलीकरण और एआई रिसर्च जैसे भविष्य उन्मुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों नेताओं ने एथिकल इनोवेशन, जिम्मेदार एआई और सतत विकास के लिए तकनीक आधारित समाधानों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने फिनलैंड के एआई क्षेत्र में उभरते प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा द्विपक्षीय सहयोग को नई गति दे सकती है।

पीएम ने सर्बिया के राष्ट्रपति के लेकर क्या बोला?

इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के लेख की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह लेख भारत की एआई में प्रगति और भारत-सर्बिया के मजबूत संबंधों को दर्शाता है।

सेंसेक्स 283 अंक बढ़कर 83,734 पर बंद, निफ्टी भी 94 अंक चढ़ा

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 18 फरवरी को बढ़त रही। सेंसेक्स 283 अंक की तेजी के साथ 83,734 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 94 अंक की बढ़त है, ये 25,819 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयरों में बढ़त रही। वहीं निफ्टी-50 के 31 शेयरों में बढ़त रही। आज मेटल, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयर्स में बढ़त रही। वहीं आईटी शेयर्स में गिरावट रही।

जापान के निक्केई में बढ़त

जापान का निक्केई इंडेक्स 1.02% चढ़कर 57,143 पर बंद हुआ।दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स आज बंद हैं।

अमेरिकी बाजार में 17 फरवरी को मिला-जुला कारोबार

डाउ जोन्स 32 अंक (00.7%) की बढ़कर 49,533 पर बंद हुआ।

टेक बेस्ड इंडेक्स नैस्डैक कंपोजिट 0.14% बढ़कर 22,578 पर बंद हुआ।

.....शेष पृष्ठ एक का

नवग्रह के साथ भगवान का अनुग्रह जरूरी: पं. धीरेंद्र शास्त्री

भगवान तक पहुंच सकते हैं। कथा में यदि खाली होकर बैठेगो तो अच्छी बातें आपके मन में भरती चली जाएंगी। युवाओं से कहा मां-बाप की बात मानो..... युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हमें मानो या न मानो,लेकिन मां-बाप की जरूर मानो। विद्यार्थी यदि 18 से 25 वर्ष तक खुद को संभाले रखेंगे तो फिर वे कभी नहीं बिगड़ सकते हैं। कैसी भी माहौल में रहो,लेकिन खुद पर नियंत्रण में रखो। राम के राज्य में रहकर मंथरा सुधरी नहीं और रावण के राज्य में रहकर विभीषण बिगड़ा नहीं, तो आप को भी कुसंग बिगाड़ नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि हनुमानजी की भक्ति से हमें वो भी मिल जाता है, जो भाग्य में नहीं होता है, क्योंकि वे महादेव के अवतार हैं। जगत के लिए विषपान करने के कारण वे महादेव कहलाए। आप भी कोशिश करो कि संसार की कड़वी बातें पी जाओ। आप किसी का मुंह बंद नहीं कर सकते हैं लेकिन अपने कान तो बंद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संसार के बंधन की वजह से पुरूष महिला एवं महिलाएं पुरूष के चक्कर में पड़ जाती हैं,लेकिन सौ बार हनुमान चालीसा का पाठ संसारी बंधन भी खोल देता है। हनुमानजी के भजन से सारे सुख मिल जाते हैं। आराम चाहिए तो राम की शरण में जाओ और राम की शरण में जाने के लिए हनुमानजी की भक्ति करो। जीवन में यदि राम आ गए तो आराम तो आ ही जाएगा। उन्होंने कहा कि तो या तो हनुमानजी को मानना छोड़ दो,या खुद को हनुमानजी पर छोड़ दो।

आशुतोष राणा ने की डॉ नरोत्तम मिश्रा की तारीफ

इस मौके पर फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा ने अपने गुरू दद्दाजी का स्मरण करते हुए कहा कि नरोत्तम मिश्रा मेरे गुरू भाई हैं, जिन्होंने नवग्रह पीठ की स्थापना कराकर ग्रहों का साधा है, जो उनको परलोक में साधेंगे। उन्होंने अलग-अलग प्रकृति के ग्रहों को एक साथ बैठाकर विकृति को दूर कर दिया है। भगवान का अनुग्रह हो जाए तो ग्रह स्वतः ही अनुकूल हो जाते हैं। गुरू को साध लो तो बुद्धि सुधर जाएगी। उससे मंगल होने लगेगा, तो शुक्र भी सुधर जाएगा और सारे ग्रहों की कृपा होने लगेगी। उन्होंने कहा कि सभी में हनुमान(वायु) है और जब तक शरीर में हनुमान(वायु) हैं,तब तक राम, यानि प्राण हैं। आज लगेगा हनुमानजी का दिव्य दरबार गुरूवार को बागेश्वर पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हनुमानजी का दिव्य दरबार लगाएंगे, जिसमें भक्तों का पर्चा निकालाकर उनकी समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान सभी भक्त नारियल लेकर आएं। स्वप्न में यदि बंदर दिखाई दें,तो समझो हनुमानजी ने आपकी अर्जी स्वीकार कर ली है।

डॉ. हेडगेवार की प्रेरक गाथा को बड़े पर्दे पर लाएगी शतक : संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी वर्ष के अवसर पर बनी फिल्म 'शतक' को लेकर उत्साह लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में नई दिल्ली स्थित केशव कुंज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी ने इस फिल्म पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक विचार यात्रा का सजीव चित्रण है।

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत जी ने अपने संबोधन में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक थे और उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र के संगठन और समाज जागरण के कार्य के लिए समर्पित कर दिया। उनका जीवन

त्याग, अनुशासन और अखंड राष्ट्रभाव का प्रतीक रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'फिल्म 'शतक' के माध्यम से डॉ. हेडगेवार जी के जीवन के विभिन्न प्रेरक प्रसंगों को सामने लाने का प्रयास किया गया है। विशेष रूप से फिल्म के एक गीत में उनके बाल्यकाल के उस मार्मिक प्रसंग को उकेरा गया है, जिसने उनके व्यक्तित्व को दृढ़ता और संकल्प की दिशा दी। अंत में इस फिल्म से जुड़े सभी कलाकारों, निर्माताओं और सहयोगियों को इस प्रयास के लिए बधाइयाँ और धन्यवाद् दिया। '

फिल्म 'शतक' संघ की सौ वर्ष की यात्रा को समर्पित है और इसे व्यापक स्तर पर 20 फरवरी को सभी सिनेमाघरों में देखा जा सकेगा।

जनसुनवाई के आवेदनों का निराकरण कर अवगत करायें: महापौर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। प्रति सप्ताह महापौर जन सुनवाई के आवेदनों का निराकरण समय सीमा में कर अवगत करायें। उक्त निर्देश बुधवार 18 फरवरी को निगम बैठक हाल में आयोजित महापौर जनसुनवाई के दौरान महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को दिये। महापौर ने कहा की जनसुनवाई नागरिकों की निगम संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए है।

संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए साप्ताहिक जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदनों के निराकरणों की प्रगति रिपोर्ट जन सुनवाई दिवस के पूर्व सचिव शाखा मे प्रस्तुत करने हेतु कहा। वार्ड 4 के रहवासियों ने कालोनी के मार्ग से अतिक्रमण हटाने, वार्ड 9 नाली पर से

अवैध अतिक्रमण हटाने, वार्ड 33 मे नाली के पानी की निकासी करवाने,वार्ड 2 सडक की मरम्मत कराने संबंधि प्राप्त आवेदनों का मौके पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान महापौर गीता अग्रवाल ने विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, निगम लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल, पार्षद बाली घोसी के साथ व्यसाईयों को खाद्य व अखाद्य लायसेंसों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर निगम लोक निर्माण समिती अध्यक्ष गणेश पटेल, पार्षद बाली घोसी, निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, उपायुक्त वित्त दिपक पटेल, प्र.कार्यपालन, जगदीश वर्मा, सौरभ त्रिपाठी, यंत्री इंदुप्रभा भारती, प्र. स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया, सहायक यंत्री मुशाहीद हन्फी, दिनेश चौहान, विजय जाधव, कार्यालय अधिक्षक रणजीत सिंह पंजाबी, उपयंत्री श्याम सुंदर रघुवंशी, स्वच्छात निरीक्षक हेमन्त उबनारे, हरेन्द्रसिंह ठाकुर, भाजपा नेता बलराम प्रजापति, विपुल अग्रवाल, जितेन्द्र जायसवाल व नागरिक गण एवं व्यसाई उपस्थित रहे।

'संघ के शतक वर्षों में छवि और हकीकत के बीच रहा अंतर, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण': नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को राष्ट्र निर्माण

और मूल्यों पर आधारित विकास पर अपने विशेष ध्यान के लिए जाना जाता है। हाल ही में जारी एक वीडियो के जरिए उन्होंने फिल्म 'शतकः संघ के 100 वर्ष' देखने की अपील की है। उनके अनुसार इस फिल्म को देखकर लोग संघ को सही तरीके से समझ पाएंगे। नितिन गडकरी ने कहा, 'एक स्वयंसेवक के रूप में मुझे कई बार लगता है कि संघ की छवि और असलियत के बीच अंतर रहा है। लोगों की धारणा और जमीन की सच्चाई अलग रही है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे संघ की विचारधारा को समझें, उसके त्याग, समर्पण और देशभक्ति की भावना को जानें। आदिवासी क्षेत्रों में सेवा, सहकारी संस्थाओं और शिक्षा जैसे कई क्षेत्रों में संघ ने बड़ा काम किया है। लाखों स्वयंसेवकों का योगदान बहुत महत्वपूर्ण रहा है। ' उन्होंने आगे कहा, 'देश के विकास में संघ का बड़ा योगदान है। हमें देश के इतिहास के इस

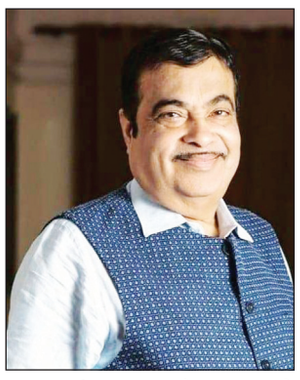

महत्वपूर्ण 'शतक' के सफर को मिलकर मनाना चाहिए, संघ को समझना चाहिए और उसकी विचारधारा को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मैं सभी से निवेदन करता हूं कि यह फिल्म जरूर देखें। ' संघ के बारे में बात करते हुए गडकरी ने कहा, 'पिछले 100 वर्षों में आरएसएस ने लाखों युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण की भावना जगाई है। मुझे गर्व है कि मैं भी उन स्वयंसेवकों में से एक हूं जिन्हें यह प्रेरणा मिली है। अभी बहुत काम बाकी है और हमारा लक्ष्य भारत को दुनिया में अग्रणी बनाना है। सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक हर क्षेत्र में देश को आगे बढ़ाना है। 'गडकरी ने यह भी कहा, 'हम दलितों, वंचितों और गरीबों के उत्थान के लिए काम कर रहे हैं। हिंदुत्व न तो जातिवादी है और न ही सांप्रदायिक। यह किसी एक धर्म से जुड़ा नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। सभी धर्मों के लोग भारतीय हो सकते हैं। भारतीय पहचान हमारी संस्कृति, इतिहास और परंपरा से जुड़ी है। यही प्रेरणा हमें संघ से मिली है। ''शतक' फिल्म संघ की विचारधारा, उससे जुड़ी गलतफहमियों, उसके सामाजिक कार्यों और पिछले 100 वर्षों की यात्रा को दर्शाती है। हाल ही में जारी किए गए इसके ट्रेलर को लेकर लोगों में काफी चर्चा है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं सेंड मैप के द्वारा उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। 18 फरवरी को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शास-कृष्णाजीराव पवार स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय देवास के संस्कार हॉल में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ व सैडमेप के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमिता विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईक्यूएसी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित सेडमैप के जिला समन्वयक प्रकाश तिलक, डी आई सी के जनरल मैनेजर आर.एस डाबर एवं सफल मसाला उद्यमी कल्पना श्रीवास्तव उपास्थित हुऐ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ आर. एस. अनारे, प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. बी. एस. जाधव एवं प्लेसमेंट एवं ट्रेनिंग ऑफीसर डॉ.

मनोज मालवीय ने मंच सांझा किया। मां सरस्वती व विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण व अतिथियों के स्वागत के पश्चात कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। इस कड़ी में डॉ मनोज मालवीय ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा दी। मुख्य वक्ता प्रकाश तिलक ने विद्यार्थियों को बताया कि स्वरोजगार वर्तमान परिप्रेक्ष्य में किस प्रकार नौकरियों के पीछे भागने से कई गुना बेहतर विकल्प है। द्वितीय सत्र में आर.एस डॉवर ने स्वरोजगार व उद्यम स्थापित करने हेतु शासकीय योजनायें बैंक ऋण व सेटअप लगाने में आने वाली चुनौतियों, व उनके निराकरण के रास्ते बताये। अंतिम व तृतीय सत्र में उद्यमी कल्पना श्रीवास्तव ने अपने उद्यमी बनने के अनुभव विद्यार्थियों के साथ बाटे व उन्हें इस क्षेत्र में आगे बढने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम को रोचक बनाने में प्लेसमेंट ऑफीसर डॉ मालवीय ने विद्यार्थियों से विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर व विजेताओं को पुरुस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढाया। इस कार्यक्रम में बड़ीं संख्या में विद्यार्थियों व प्राध्यापकों ने रजिस्ट्रेशन कर सहभागिता दर्ज की।कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन समिति की डॉ प्रीति मालवीय, डॉ शशी सोलंकी, डॉ ललिता गोरे, डॉ जॉन प्रीतेश, दीपक अटारिया,डॉ. प्रतिमा रायकवार आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनोज मालवीय ने किया तथा आभार डॉ. बी.एस. जाधव ने माना।

सही मार्गदर्शन से बच्चे कर सकते हैं बड़ा मुकाम हासिल: कलेक्टर

- कलेक्टर ने जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

अनूपपुर। जिला शिक्षा केंद्र द्वारा जिला स्तरीय ओलंपियाड सम्मान समारोह का आयोजन आज कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिला स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 32 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कलेक्टर द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों को बैग, शील्ड, वाटर बॉटल, लंच बॉक्स, ज्योमेट्री बॉक्स एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इन विद्यार्थियों में कक्षा दूसरी से कक्षा आठवीं तक के छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के अंदर अपार क्षमता होती है और वे भविष्य में कुछ बड़ा एवं अच्छा कर सकते हैं। आवश्यकता केवल सही मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और सहयोग की है। उन्होंने कहा कि अभिभावकों एवं शिक्षकों को विद्यार्थियों के अध्ययन एवं अध्यापन पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि उनकी प्रतिभा को उचित दिशा मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब भी आगे बढ़ने का अवसर मिले, तो घबराना नहीं चाहिए। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों की शिक्षा और विकास पर निवेश करने तथा उन्हें बेहतर अवसर प्रदान करने में संकोच न करें। जिन विद्यार्थियों का प्रदर्शन ओलंपियाड जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट है, उनका भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल है। उचित मार्गदर्शन मिलने पर वे जीवन में उच्च मुकाम हासिल कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ भी विद्यार्थियों को मिलना चाहिए।ओलंपियाड परीक्षाओं का उद्देश्य प्रारंभिक स्तर पर प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए विशेष अवसर प्रदान करना है। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षकों से आव्हान किया कि वे विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने के लिए वाद-विवाद, विज्ञान प्रदर्शनी, खेल-कूद, कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसी गतिविधियों के माध्यम से निरंतर प्रयास करें। सकारात्मक वातावरण, प्रेरणा और पूर्ण सहयोग मिलने पर बच्चे निश्चित रूप से जीवन में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में जिला शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक आशुतोष कुशवाहा सहित सहायक परियोजना समन्वयक, बीआरसी, जन शिक्षक, मार्गदर्शी शिक्षक एवं विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे।

विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को के प्रयास रंग लाए, बजट 2026-27 में सड़क निर्माण कार्यों को स्वीकृति

पुष्पराजगढ़ को 32.85 करोड़े की विकास सौगात, दूरस्थ गांवों तक बेहतर सड़क संपर्क का मार्ग प्रशस्त

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर/ राजेंद्रग्राम (पुष्पराजगढ़)। क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विधानसभा क्षेत्र को बजट सत्र 2026-27 में 32 करोड़ 85 लाख रुपये की बड़ी सौगात प्राप्त हुई है। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को के सतत प्रयासों से विभिन्न ग्रामीण सड़कों एवं पहुंच मार्गों के निर्माण और मजबूतीकरण कार्यों को स्वीकृति मिली है। इन स्वीकृत परियोजनाओं का उद्देश्य आदिवासी बाहुल्य और दूरस्थ गांवों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है, जिससे आवागमन सुगम होगा और शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि तथा स्थानीय व्यापार को नई गति मिलेगी। सड़क सुविधा सुदृढ़ होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ सामाजिक समावेशन को भी बढ़ावा मिलेगा।

विधायक ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव तथा लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्रीय जनता की वर्षों पुरानी मांग अब साकार रूप ले रही है।

स्वीकृत प्रमुख निर्माण कार्य

राजेंद्रग्राम से जोहिला नदी तक पहुंच मार्ग

लंबाई - 2 किमी 7 लागत - 2 करोड़ रुपये

पोडकी, विजौरा, अचलपुर, राजेंद्रग्राम, पटना, करपा, खुर्द, अहिरगवा, बड़ी तुम्मी मार्ग का मजबूतीकरण

लंबाई - 118 किमी 7 लागत - 1 करोड़ 77 लाख रुपये

जैतहरी, सिवनी गोरसी, सेमरवार, पंडरीपानी, अमगवा, लेढरा, नोनघटी, देवरी, लीलाटोला, बेनीबारी, घोघरी मार्ग

लंबाई - 10 किमी 7 लागत - 8 करोड़ रुपये

पोडकी-करंगरा पहुंच मार्ग

लंबाई - 3 किमी 7 लागत - 1 करोड़ 80 लाख रुपये

लीलाटोला/मेढ़ाखार एवं उफरी/खुर्द पहुंच मार्ग

लंबाई - 9.20 किमी 7 लागत - 1 करोड़ 80 लाख रुपये

हराटोला पहुंच मार्ग

लंबाई - 2.40 किमी 7 लागत - 1 करोड़ 92 लाख रुपये

खमरोध-चटुआ पहुंच मार्ग (टाकी टोला)

लंबाई - 1.40 किमी 7 लागत - 1 करोड़ 12 लाख रुपये

डोगरिया से कोरिया मार्ग निर्माण

लंबाई - 5.20 किमी 7 लागत - 10 करोड़ 48 लाख रुपये

गोरसी, सेमरवार, पंडरीपानी, अमगवा, लेढरा, नोनघटी, दमेहडी, देवरी, लीलाटोला, बेनाबारी, घोघरी मार्ग का मजबूतीकरण

लंबाई - 107 किमी 7 लागत - 1 करोड़ 61 लाख रुपये

विकास को मिलेगा नया आयाम

इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होगा। किसानों को अपनी उपज के परिवहन में सुविधा मिलेगी, विद्यार्थियों को शिक्षा संस्थानों तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी तथा स्वास्थ्य सेवाओं तक समयबद्ध संपर्क संभव हो सकेगा। समग्र रूप से यह पहल क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होने की उम्मीद है।

कलेक्टर ने ग्राम जमुड़ी में किसान फॉर्मर रजिस्ट्री कार्य का किया निरीक्षण

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने आज जमुड़ी ग्राम पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर किसानों के फॉर्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पेसा मोबिलाइजर के माध्यम से संचालित फॉर्मर रजिस्ट्री प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर श्री पंचोली ने ग्राम पंचायत सचिव से जानकारी ली कि पंचायत क्षेत्र में कुल कितने किसान हितग्राही हैं, जिनकी फॉर्मर रजिस्ट्री अपलोड की जानी शेष है। सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पंचायत में कुल 513 किसान हितग्राही ऐसे हैं, जिनकी फॉर्मर रजिस्ट्री प्रविष्टि की जानी है।

इस दौरान कलेक्टर ने अधीक्षक भू-अभिलेख एवं तहसीलदार को निर्देशित किया कि आगामी दो से तीन दिनों में विशेष अभियान संचालित कर अधिकाधिक किसानों की फॉर्मर

रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण कराया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पेसा मोबिलाइजर के लोकल यूथ के रूप में पंजीयन कर उन्हें रजिस्ट्री कार्य से जोड़ा जाए, जिससे कार्य में गति लाई जा सके तथा उन्हें रजिस्ट्रेशन का प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो सके। कलेक्टर श्री पंचोली ने संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके।

इस दौरान अधीक्षक भू-अभिलेख प्रदीप मोगरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जैतहरी के. के. रैकवार,नायब तहसीलदार फुनगा कौशलेंद्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी एवं संबंधित ग्राम पंचायत का अमला उपस्थित था।

हाथी द्वारा तोड़े गए घर की दीवार के गिरने से घायल वृद्ध की मौत

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। 11 एवं 12 फरवरी की मध्य रात्रि जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर दूरपर स्थित ग्राम पंचायत बरबसपुर के कपिलधारा कॉलोनी के पीछे रहने वाले 70 वर्षीय रामविशाल पिता स्व,जगना भैना जो कच्चे मकान के अंदर जमीन में सो रहे थे के घर को देर रात अचानक एक दांत वाला नर हाथी खाने की तलाश में घर के अंदर रखे धान की बोरियों की सुगंध आने पर दीवार तोड़ने से दीवाल का मालवा घर के अंदर गिरने से समृद्ध रामविशाल दब गया रहा जिसे गंभीर चोट आने पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया जा रहा 2 दिन बाद 16 फरवरी की सुबह बृद्ध की घर पर मौत हो गई घटना की जानकारी मृतक के पुत्र नवल सिंह भैना द्वारा कोतवाली थाना अनूपपुर दिए जाने पर पुलिस के द्वारा पंचनामा एवं शव परीक्षण की कार्रवाई की गई इस दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी अनूपपुर ने शासन के नियमानुसार मृतक के परिजनों को प्रारंभिक सहायता राशि पदाय की।

थिंक गैस ने पाइपलाइन क्षति के बाद तेजी से बहाल की सिटी गैस सप्लाई

-सुरक्षा के लिए 'डायल बिफोर यू डिग' जागरूकता की अपील

भोपाल। भोपाल के शाहपुरा स्थित शैतान सिंह चौराहा, बीकानेर स्वीट्स के पास सीवेज पाइपलाइन ठेकेदार द्वारा बिना पूर्व सूचना के की जा रही खुदाई के दौरान थिंक गैस की एक पाइपलाइन को गलती से नुकसान पहुंचा दिया गया। थिंक गैस की इमरजेंसी रिस्पांस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभावित हिस्से को अलग किया और कम समय में गैस सप्लाई बहाल कर दी। इससे आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और उपभोक्ताओं को कम से कम असुविधा हुई।

THINK GAS

थिंक गैस ने भोपाल जिले में घरों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों के लिए कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति हेतु मजबूत पाइपलाइन नेटवर्क स्थापित किया है। पाइपलाइन मार्ग पर स्पष्ट रूट मार्कर्स, चेतावनी बोर्ड और इमरजेंसी कांटेक्ट बोर्ड्स लगे होने के बावजूद संबंधित ठेकेदार ने खुदाई शुरू करने से पहले कंपनी को सूचित नहीं किया और घटना के बाद भी कोई रिपोर्ट जमा नहीं की।

सरकारी नियमों के अनुसार, कोई भी तीसरा पक्ष यदि खुदाई कार्य करने की योजना बनाता है, तो उसे 'डायल बिफोर यू डिग' नंबर के माध्यम से नगर निगम या सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को पूर्व सूचना देना अनिवार्य है। इस घटना की पूर्व जानकारी कंपनी को नहीं दी गई थी, जिसके चलते थिंक गैस ने जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। वर्तमान कानूनी प्रावधानों के अनुसार आईपीसी की धारा 285 और 336 के तहत इस प्रकार की अनधिकृत क्षति दंडनीय अपराध है, जिसमें 3 वर्ष तक की सजा और ?25 करोड़ तक का जुर्माना हो सकता है।

थिंक गैस सभी ठेकेदारों, एजेंसियों और नागरिकों से अपील करता है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें। किसी भी प्रकार की खुदाई से पहले थिंक गैस से संपर्क करने के लिए टोल-फ्री नंबर 1800 2022 999 पर संपर्क करें।

वृद्धाश्रम सीतापुर का जिला पंचायत सीईओ ने लिया जायजा

वृद्धजनों से सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम सीतापुर में वृद्धाश्रम परिसर तथा परिसर में बनाए गए सामुदायिक स्वच्छता परिसर एवं वृद्धाश्रम के आवासीय परिसर, किचन,स्टोर, पेयजल, आदि व्यवस्था का निरीक्षण कर जायजा लिया गया।

भ्रमण के मौके पर उपसंचालक सामाजिक न्याय के के सोनी जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के के रैकवार सहित संबंधित जन उपस्थित थे। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के शुद्धणीकरण के निर्देश दिए गए। उन्होंने ग्राम सीतापुर में प्रधानमंत्री सड़क से मुक्ति धाम तक निर्मित कराई गई सीसी रोड निर्माण कार्य का जायजा लिया तथा समीपस्थ ग्राम भोलगढ़ में बोरवेल का अवलोकन करते हुए ग्रामीणों से चर्चा की गई ग्रामीणो ने अवगत कराया की बोरवेल में पर्याप्त पानी की उपलब्धता नहीं है जिस पर उन्होंने पेयजल आपूर्ति के लिए अन्य स्रोत स्थान का चिन्हांकन किए जाने के निर्देश दिए।

रास्ता से निकलने के विवाद को लेकर रिठौराखुर्द में युवक की गोली मारकर हत्या

4 नामजद सहित तीन अज्ञात के विरुद्ध हत्या की एफआईआर

मृतक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। सरायछौला क्षेत्र के ग्राम रिठौराखुर्द में 18 फरवरी की सुबह करीब 8.30 बजे रास्ते से निकलने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने 4 नामजद सहित तीन अज्ञात लोगों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक रिठौराखुर्द गांव में रहने वाला महादेव सिंह गुर्जर 25 पुत्र गब्बर सिंह गुर्जर 18 फरवरी की सुबह करीब 8.30 बजे आमरास्ते से होकर गुजर रहा था। इसी दौरान गांव के ही रनवीर गुर्जर वगैरह ने उसे रास्ते से न गुजरने को कहा। इसी बात को लेकर महादेव का रनवीर वगैरह से विवाद हो गया। विवाद के दौरान रनवीर और उसके साथियों ने गालियां देना शुरू कर दिया। विवाद बढ़ने पर रनवीर और उसके साथियों ने 315 बोर बंदूक से फायरिंग की, एक गोली महादेव के सीने में बांयी ओर लगी, जिससे महादेव गुर्जर मौके पर ही ढेर हो गया। महादेव की हत्या करने के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। सूचना मिलने के बाद सरायछौला पुलिस मौके पर पहुंचीं और लहूलुहान अवस्था में पड़े महादेव गुर्जर को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक महादेव के चाचा जबर सिंह गुर्जर की रिपोर्ट पर रामनिवास गुर्जर पुत्र रामस्वरूप, भूरा पुत्र मुन्नालाल, रनवीर पुत्र कप्तान सिंह, ऐंदल गुर्जर पुत्र गोपी सिंह गुर्जर निवासीगण रिठौराखुर्द सहित तीन अज्ञात लोगों के विरुद्ध बीएनएस की धारा-296 (ए), 126 (2), 115 (2), 103 (1), 3 (5) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

नि:शुल्क प्रशिक्षण आईटीआई मुरैना में 28 फरवरी से होगा प्रारंभ

मुरैना। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.) 4.0 के अंतर्गत युवाओं के कौशल प्रमाणन एवं रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण हेतु शासकीय आईटीआई मुरैना में निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। यह योजना युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर बेहतर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार शासकीय आईटीआई मुरैना के प्राचार्य ने बताया कि योजना के अंतर्गत प्लास्टिक रीसाइक्लिंग माइक्रो इंटरप्रेन्योर तथा टेलिकॉम ई-वेस्ट हैंडलर मॉड्यूल में निःशुल्क प्रशिक्षण 28 फरवरी से प्रारंभ होगा। इस प्रशिक्षण का लाभ कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण, आईटीआई एवं डिप्लोमा धारक, स्कूल ड्रॉपआउट तथा बेरोजगार युवा स्किल इंडिया पोर्टल पर पंजीयन कर प्राप्त कर सकते हैं।

अचानक बदला मौसम, बूंदाबांदी के चलते तापमान में गिरावट

किसान हुआ चिंतित, लोगों ने निकाले गर्म वस्त्र

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। फरवरी में लगातार बढ़ रहे तापमान की रफ्तार फिलहाल थम गई है। पश्चिमी राजस्थान सहित पाकिस्तान में बने विक्षोभ के प्रभाव से मंगलवार-बुधवार की रात अचानक हवा का रुख बदला और हवाओं में ठंडक का अहसास होने लगा। बुधवार को सुबह से ही सर्द हवा के साथ बादल छाए रहे, जिसकी वजह से दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। अपरान्ह 3 से 4 बजे के बीच अचानक रिमझिम फुहारें गिरने से मौसम और खुशमिजाज हो गया। हालांकि बारिश की आशंका से किसान चिंतित नजर आए।

यहां बता दें कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम पारा 15 डिग्री था। मौसम में अचानक आए बदलाव से दिन का तापमान 5 डिग्री लुढ़ककर 27 डिग्री पर आ गया। रात का तापमान भी एक डिग्री घटकर 14 डिग्री पर आ गया। बुधवार को मुरैना शहर सहित अंबाह-पोरसा, जौरा, कैलारस, सबलगढ़, रामपुरकलां, पहाड़गढ़ और बानमोर क्षेत्र में भी बादल छाए रहे और हल्की बूंदाबांदी भी हुई। तकरीबन 10 से 15 मिनट की बूंदाबांदी से ही शहर की सड़कें गीली हो गई।

तेज बारिश होने पर सरसों की फसल को होगा नुकसान

यहां बता दें कि इस समय खेतों में किसानो की सरसों की फसल पककर तैयार है। सरसों फसल तो कई जगह कटने भी लगी है। अगर तेज बारिश हुई तो सरसों फसल की फली भीगकर धूप खिलते ही चटक जाएंगी, जिससे उत्पादन कम होने का डर रहेगा।

जिला पंचायत सीईओ ने तीन परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार बुधवार, 18 फरवरी को आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा अंतर्गत रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसायिक अध्ययन, कृषि विज्ञान, गणित के मूल तत्व, गृह प्रबंधन, ड्रॉइंग एवं पेंटिंग विषयों के प्रश्नपत्र शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुए। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार जिले में कुल 76 परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए हैं। इन केन्द्रों पर केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष तथा कलेक्टर प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई है। साथ ही परीक्षा की पारदर्शिता एवं अनुशासन बनाए रखने हेतु विभिन्न उड़नदस्तों का भी गठन किया गया है। जिला पंचायत सीईओ कमलेश कुमार भार्गव ने जे.एस. पब्लिक स्कूल, उत्कृष्ट विद्यालय तथा गंगा पब्लिक स्कूल, मुरैना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्था स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण पाई गई।

विश्व में सर्व मंगल कामना करने वाला सिर्फ हिंदू: डॉ. कृष्णगोपाल

आरएसएस की प्रमुखजन गोष्ठी में सह सरकार्यवाह ने कहा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। विश्व में हिंदू ही ऐसा है तो कहता है कि सभी मत पंथ अच्छे हैं। हिंदू का मतलब जो किसी के भी दुख को देखकर दुखी हो जाता है और उसके सहयोग के लिए प्रयास करता है। हिन्दू ही ऐसा धर्म है जिसका पालन करने वाले लोग सभी की समृद्धि की कामना करते हैं। पीड़ित का सहयोग करना हिन्दू का मूल स्वभाव है। वह अपने परिवार के साथ समाज की चिंता व सम्मान भी करता है। इसके विपरीत अन्य धर्म में स्वयं की ही समृद्धि व मंगलकामना की महत्वाकांक्षा रहती है। अन्य धर्म के साथ हिन्दू धर्म का यह मूल अंतर है।

यह विचार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने प्रबुद्धजन गोष्ठी को संबोधित करते हुये व्यक्त किये। गोष्ठी पुलिस लाईन स्थित सभागार में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की नगर इकाई द्वारा आयोजित की गई थी। गोष्ठी में शहर के चिकित्सक, इंजीनियर, विभिन्न समाज प्रमुख सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि विगत कुछ दशकों से हिन्दू की इस मूल भावना में परिवर्तन देखा गया। उसका परिणाम गरीबी, जातिवाद, भाषाई, भेदभाव तथा अन्य समस्या उत्पन्न होना है। एकजुटता का अभाव होने से आज कुछ लोग प्रभावशाली हो रहे हैं। जबकि भारत की परंपरा सभी धर्म को अच्छा मानती है। सभी धर्म प्रेम की भाषा सिखाते हैं। इसलिये व्यक्ति को अपना आचरणए व्यवहार उत्तम रखना चाहिए। उन्होंने श्रीमद् भागवत गीता के संदेशों का उल्लेख करते हुये कहा कि आज नई पीढ़ी को संस्कार देने की आवश्यकता है। इसके लिये जन चेतना का कार्य निरंतर होना चाहिए। वहीं नई पीढ़ी को यह संदेश दिया कि सहन शक्ति की क्षमता में वृद्धि होने के साथ क्रोध समाप्त कर देना चाहिए और जीवन को सुखी व समृद्ध बनाने के लिये आशा व महत्वाकांक्षा को कम रखना चाहिए। जीवन में क्षमाए कृपा और समान भाव रखने वाला ही समृद्धि के मार्ग पर प्रशस्त होगा। उन्होंने पूजा के साथ किसी भी कार्य को पवित्र भाव से करने का संदेश दिया। वहीं मजबूत बनने के लिये समस्या को प्राथमिकता से निराकृत करना बताया। इस अवसर पर विभाग संघ चालक महेन्द्र शर्मा तथा नगर संघ चालक महेश मोदी भी मंचासीन थे। संगोष्ठी की प्रस्तावना मानवेन्द्र राणा तथा आभार मनोज वर्मा ने व्यक्त किया। संचालन भारतेन्दु तोमर ने किया।

म.प्र.मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम बाथम ने विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। मध्यप्रदेश मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) सीताराम बाथम का बुधवार को मुरैना आगमन हुआ। अपने दौरे के दौरान उन्होंने नवीन कलेक्ट्रेट भवन स्थित सहायक संचालक, मत्स्योद्योग कार्यालय में जिले में संचालित विभागीय गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर श्री बाथम ने मत्स्य पालन एवं मछुआरों के कल्याण से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए मछुआ समुदाय के समग्र विकास हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके पश्चात वे ग्राम छौदा पहुंचे, जहां रामू मांझी एवं स्थानीय मछुआरों द्वारा उनका स्वागत किया गया। श्री बाथम ने उपस्थित मछुआरों को संबोधित करते हुए शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया।इस अवसर पर सहायक संचालक, मत्स्योद्योग जिला मुरैना कमल नार्वे सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत जिले में 75,881 आवेदनों का निराकरण

मुरैना। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में संचालित संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत नागरिकों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया प्रभावी रूप से जारी है। अभियान के प्रथम चरण में अब तक कुल 75,881 आवेदनों का सफलतापूर्वक निराकरण किया जा चुका है। निराकृत प्रकरणों में से 75,305 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनके माध्यम से पात्र हितग्राहियों को केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया है। वहीं 576 आवेदन निर्धारित नियमों के अनुरूप अस्वीकृत किए गए हैं।

जैन मिलन महिला शाखा मुरैना की चुनाव बैठक हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-
मुरैना। जैन मिलन महिला, शाखा मुरैना की चुनाव बैठक पल्लिवाल दिगंबर जैन मंदिर, लोहिया बाजार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष वीरांगना सपना जैन द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ देव दर्शन एवं भगवान महावीर स्वामी की प्रार्थना के साथ हुआ, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।

बैठक में मार्च माह में आयोजित होने वाले अधिवेशन की तैयारियों तथा आगामी सेवा एवं सामाजिक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित बहनों ने शाखा को और अधिक सक्रिय एवं संगठित बनाने के लिए अपने विचार रखे। इसके पश्चात सर्वसम्मति से शाखा के चुनाव संपन्न कराए गए। सभी बहनों की सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें वीरांगना बबिता जैन को शाखा अध्यक्ष, वीरांगना शीतल जैन को शाखा सचिव तथा वीरांगना श्वेता जैन को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। निर्णय लिया गया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी 01 अप्रैल 2026 से अपना कार्यभार ग्रहण करेंगी। चुनाव संपन्न होने के बाद सभी बहनों ने नई कार्यकारिणी को माला पहनाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

बैठक में आगामी समय में नेत्र चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य शिविर, धार्मिक कार्यक्रम एवं विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा भी तय की गई। सभी बहनों ने सेवा, संगठन और एकता की भावना से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय सहकोषाध्यक्ष वीरांगना सरिता जैन, शाखा अध्यक्ष सपना जैन, सचिव कल्पना जैन, कोषाध्यक्ष शीतल जैन, कुसुम जैन एवं किरण जैन सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम प्रेम, सहयोग और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2026 — **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** — मुरैना, दिनांक:- 18.02.2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	36/1/39, नया वार्ड 16 नैनागढ़ रोड मुरैना	श्रीमती नेहा अग्रवाल पत्नी आशीष गोयल निवासी- नैनागढ़ रोड मुरैना	रामनिवास, सत्यप्रकाश गोयल पुत्रगण भोगीराम गोयल	विक्रय पत्र
2	367/29, पुराना वार्ड 6 बी.एल. गार्डन के सामने तुस्सीपुरा मुरैना	अनिल कुमार पुत्र मोहन सिंह, लवकुश सोनी पुत्र मोहन सिंह, निवासी- बी.एल. गार्डन के सामने तुस्सीपुरा मुरैना	श्रीमती जमुना देवी पत्नी मुरारीलाल प्रजापति	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा
3	294/38, पापा वाली गली गोपालपुरा मुरैना	रुस्तम सिंह तोमर पुत्र होशियार सिंह निवासी- पापा वाली गली गोपालपुरा मुरैना	स्व. श्रीमती चन्द्रकुंवर पत्नी रुस्तम सिंह	विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र
4	भूमि/भवन, वार्ड क्र. 15 ट्रंच रोड शिवमंदिर वाली गली महावीरपुरा मुरैना	रामबरन श्रीवास पुत्र रसाल सिंह श्रीवास निवासी- ट्रंच रोड शिवमंदिर वाली गली महावीरपुरा मुरैना	ओमप्रकाश शिवहरे पुत्र मातादीन शिवहरे	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा
5	भूमि/भवन, वार्ड क्र. 15 नाला नं. 1 अम्बाह बायपास चौराहा मुरैना	पवन कुमार गुप्ता पुत्र तोताराम गुप्ता श्रीमती निशा गुप्ता पत्नी पवन कुमार गुप्ता निवासी- नाला नं.1 अम्बाह बायपास चौराहा मुरैना	गंभीर सिंह नरवरिया पुत्र हेतराम सिंह नरवरिया, श्रीमती पूजा मंगल पत्नी संदीप मंगल, श्रीमती रानी मिश्रा पत्नी रामानंद मिश्रा	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा, नजूल डायवर्सन

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–मुरैना(म0प्र0)

दूरभाष : (कार्या.) 07532–223500, (नि.) : 223400, (फैक्स) : 226500, ई–मेल : dmmorena@nic.in, deomorena@gmail.com

कमांक/स्टेनो/ए.डी.एम./प्रोटो./2026/2023 — मुरैना,दिनांक 13.02.2026

//चतुर्थ संशोधित ई–निविदा की सूचना//

मुरैना जिले में राजकीय अतिथियों विशिष्ट अतिथिगणों के मुरैना प्रवास के दौरान किराये के वाहनो की आवश्यकता को दृष्टिगत् रखते हुये आगन्तुक अतिथियों के आवागमन एंव सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य शासकीय कार्यों के लिये इच्छुक एवं पंजीकृत ट्रेवल्स ऐजेंसियों से टैक्सी कोटा में पंजीकृत चार पहिया वाहन टैक्सी वाहन किराये पर लिये जाने हेतु निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन आदेश जारी दिनांक से 01 वर्ष तक की अवधि हेतु https://mptenders.gov.in पर निविदाएँ आंमत्रित की जाती है। ई–निविदा प्रपत्र का मूल्य रूपये 1,000/– है। ई–निविदा जमा करने एवं खोलने संबंधी विवरण निम्नानुसार है :–

क.	विवरण	दिनांक	समय
1	ई–निविदा कय करने की आरंभिक तिथि	16.02.2026	दोपहर 02:00 बजे
2	ई–निविदा कय करने की अंतिम तिथि	09.03.2026	दोपहर 05:00 बजे
3	ई–निविदा भरने की अंतिम तिथि (Online)	09.03.2026	दोपहर 05:00 बजे
4	बीड A (Technical) खोलने की दिनांक	11.03.2026	प्रातः 11.00 बजे

ई–निविदा तकनीकी बीड का मूल्यांकन दिनांक 11.03.2026 को अपर कलेक्टर कक्ष न्यू कलेक्ट्रेट, ए.बी. रोड, मुरैना में उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधि के समक्ष निर्धारिंत समिति के द्वारा किया जावेगा।

नोट :– ई–निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन समाचार पत्र के माध्यम से नहीं किया जावेगा। किसी भी प्रकार का संशोधन केवल https://mptenders.gov.in एवं कलेक्टर जिला मुरैना की बैवसाईट dmmorena@nic.in पर ही प्रकाशित मान्य किया जावेगा।

G26004/25

अपर कलेक्टर
जिला मुरैना म0प्र0

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2026/196 — मुरैना,दिनांक– 10/02/2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हेा प्राप्त करने के लिए)

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक स्वैप माइन्स एण्ड मिनरल्स प्रो0 श्री नारायण स्वरूप बरूआ नि0–रघुराज वाली गली सी0एल0 गार्डन के पीछे अटेर रोड पोरसा जिला मुरैना (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र कमांक 38781 दिनांक– 28.12.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना कमांक–1793 दिनांक– 31.12.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक– 02/03/2026... तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/ शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	बामौर	मलखानपुरा	125	2.500 हे0	शास0 भूमि	गिट्टी बोल्डर एम–सेण्ड उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3– यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करनें की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4– यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृत पर विचार किया जा सकेगा।
5– निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G25984/25

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2026/191 — मुरैना,दिनांक– 10/02/2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हेा प्राप्त करने के लिए)

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदिका श्रीमती सरोज आदिवासी पत्नी श्री कल्यान आदिवासी नि0–ग्राम धनेला तहसील बामौर जिला मुरैना (म0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र कमांक 38771 दिनांक– 27.12.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना कमांक–1788 दिनांक– 31.12.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक– 02/03/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/ शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	बामौर	पारौली	403	4.000 हे0	शास0 भूमि	गिट्टी एम–सेण्ड उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3– यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करनें की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4– यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृत पर विचार किया जा सकेगा।
5– निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

G25987/25

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास कर रही है: डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में ग्वालियर जिले के कुलैथ में विशाल किसान सम्मेलन आयोजित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए दृढ़संकल्पित होकर कार्य कर रहे है। मध्यप्रदेश विधानसभा में 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है। कृषि कल्याण वर्ष में प्रदेश के किसानों के लिए एक लाख करोड़ से अधिक राशि का प्रावधान किसान हितैषी योजनाओं के लिये किया गया है। प्रदेश सरकार का किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का यह प्रमाण है। उन्होंने कहा गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के साथ हम प्रदेश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में लंबे समय से अग्रणी है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना से प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में ग्वालियर जिले में भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि ग्राम कुलैथ में आयोजित हुए विशाल किसान सम्मेलन में किसान भाईयों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ 21 लाख रुपए से अधिक लागत के 41 विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। साथ ही कुलैथ क्षेत्र के विकास के लिये बड़ी-बड़ी सौगातों की घोषणा भी की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने के लिये लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

किसानों की पट्टों वाली जमीन की अपने खर्चे पर सरकार कराएगी रजिस्ट्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की जमीन के पट्टों की रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार उठाएगी, इसके लिए बजट में पर्याप्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को बैंकों से योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा हर संभव कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के किसानों को सोलर पंप वितरित कर उन्हें बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बुंदेलखंड की केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ चंबल क्षेत्र के किसानों को भी मिलने वाला है। सिंचाई की सुविधा मिलने से यहां खेतों में फसलें लहलहाएंगी।

सुपोषण के लिये सरकार स्कूली बच्चों को निःशुल्क दूध उपलब्ध कराएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में पहली से 8वीं कक्षा तक के बच्चों के सुपोषण के लिये सरकार निःशुल्क दूध उपलब्ध कराएगी। इस साल के बजट में यह योजना प्रस्तावित की गई है। साथ ही बजट में लाड़ली बहनों के लिए 23 हजार करोड़ से अधिक राशि आवंटित की गई है।

कन्हैया लोकगीतों का लिया आनंद और पुष्पवर्षा कर किया अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करने से जीवन की अनेक कठिनाइयां खत्म हो जाती हैं। बाबा महाकाल ने सभी के जीवन का समय निश्चित किया है, इसलिए समाज कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण पारंपरिक लोक गायकों द्वारा प्रस्तुत कन्हैया लोकगीतों का आनंद भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिया। उन्होंने मनमोहक कन्हैया लोक गीत प्रस्तुत करने वाले लोक गायकों का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन और उत्साहवर्धन किया। लोक गायन में भाग लेने वाली सभी 18 टीमों को 5 - 5 हजार रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की।

बैलगाड़ी दौड़ में शामिल लोगों का किया उत्साहवर्धन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन स्थल के समीप स्थानीय किसानों द्वारा आयोजित पारंपरिक बैलगाड़ी दौड़ भी देखी। उन्होंने बैलगाड़ी दौड़ में शामिल हुई 28 बैलगाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। साथ ही बैलगाड़ी दौड़ में प्रथम और द्वितीय पुरस्कार के लिए क्रमशः 21 व 11 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा भी की।

ग्वालियर के कुलैथ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव जब हैलीपेड से रथ पर सवार होकर रोड-शो करते हुए आगे बढ़े तो मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में मौजूद जनसमुदाय द्वारा उनका पुष्प वर्षा कर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी जनता का अभिवादन किया।

कुलैथ क्षेत्र के लिये की बड़ी-बड़ी सौगातों की घोषणा

भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि कुलैथ में आयोजित विशाल किसान सम्मेलन में शामिल होने आए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुलैथ क्षेत्र को विकास कार्यों की बड़ी-बड़ी सौगातें देने की घोषणा की। इनमें डंडे वाले बाबा मंदिर तक एक किलोमीटर लम्बी सड़क व ट्रांसफार्मर, भगवान जगन्नाथ मंदिर के दर्शन के लिये आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने के लिये सामुदायिक भवन, युवाओं के लिये खेल मैदान व कुलैथ क्षेत्र में उद्योग की स्थापना शामिल है। साथ ही ग्राम पंचायत सुसैरा, ब्रह्मपुरा, साईंपुरा व ग्राम पंचायत सोजना के बंजारे का पुरा को आबादी क्षेत्र बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस क्षेत्र की महेश्वरा पत्थर खदान को फिर से चालू कराने के लिये आशवस्त किया।

डिप्टी सीएम ने कहा-नवग्रह शक्तिपीठ की स्थापना से आएगी सुख शांति

- उपमुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने किए नवग्रह शक्तिपीठ के दर्शन

ग्वालियर। नवग्रह शक्तिपीठ की स्थापना से अंचल में सुख समृद्धि आएगी। नवग्रह की स्थापना पुण्य का कार्य है, जिसे पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्र ने किया है। यह बात प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ के दर्शन करने के बाद आमजनों से कही। इस अवसर पर उनके साथ नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल भी मौजूद थे। डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। बुधवार को इस अवसर पर बागेश्वर धाम के महाराज धीरेंद्र शास्त्री द्वारा रामकथा कही जा रही थी। नवग्रह शक्तिपीठ दर्शन के लिए पहुंचे उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने भगवान की कथा सुनी। इसके साथ ही उन्होंने नवगह एवं मंदिर में स्थापित सभी देवी-देवताओं की पूजा अर्चना की।

भाजपा सरकार का बजट पूरी तरह कर्ज की बैसाखियों पर खड़ा: सुरेन्द्र यादव

ग्वालियर। मध्य प्रदेश भाजपा की मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा पेश किया गया। जिसे लेकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बजट को जनविरोधी, कर्ज पर आधारित और भ्रम फैलाने वाला बजट करार दिया है। विकास योजनाओं के नाम पर बजट में केवल आंकड़ों की जादूगरी की गई है। शहर अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने कहा कि यह बजट प्रदेश की जनता के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय नमक छिड़कने जैसा है। सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा सरकार को न किसानों की चिंता है, न बेरोजगार यूवाओं की, और न ही महंगाई से जूझ रही आम जनता की। प्रस्तुत बजट में किसानों के लिए ठोस राहत का अभाव है, केवल घोषणाएं है, जमीन पर कुछ नहीं है, बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार सृजन का कोई स्पष्ट रोडमैप नहीं। महंगाई से राहत देने का कोई प्रभावी प्रावधान नहीं। विकास योजनाओं के नाम पर बजट में केवल आंकड़ों की जादूगरी की गई है। बढ़ते कर्ज से प्रदेश की वित्तीय सेहत पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। भाजपा सरकार का यह तीसरा बजट पूरी तरह कर्ज की बैसाखियों पर खड़ा बजट है।

ट्रेड डील से संभावित संकट के लिए किसानों हेतु कोई उपाय नहीं: अजय

एमएसपी पर बोनस देने की कोई घोषणा नहीं, - कर्ज के दलदल में धंसता प्रदेश बजट का काला

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में दूर दृष्टि का अभाव है। खासकर किसानों के लिए कुछ नहीं है। सरकार कह रही है कि पीएम के सपनों को साकार करने वाला बजट है लेकिन यह नहीं बता रही है कि अभी हाल ही में अमेरिका के साथ जो ट्रेड डील का ड्राफ्ट तैयार किया है उसके लागू होने पर किसानों पर जो संकट आने वाला है उसके लिए क्या उपाय किए गए हैं। बांगलादेश जो अब भारत की बजाय अमेरिका से सूत और रेयान खरीदने जा रहा है उससे कपास उत्पादक किसानों को जो घाटा होने वाला है उससे मध्य प्रदेश भी अछूता नहीं रहेगा। इस संभावित खतरे से निपटने के लिए कोई योजना नहीं है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि हर उपज को दाम का नारा देने वाली सरकार ने एमएसपी पर एक शब्द भी नहीं कहा है कि कहां से वाजिब दाम देंगे। एमएसपी पर बोनस देने की कोई घोषणा बजट में नहीं है।

अजय सिंह ने कहा कि सरकार ऊंची ऊंची बातें करने में माहिर है। वित्त मंत्री कहते हैं कि प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है, लेकिन बजट से ऐसा लगता है कि यहां का राजा तो प्रजा को दुखी करके

सुख का अनुभव कर रहा है। वित्तमंत्री ने कहा कि हमारा प्रदेश दाल उत्पादन में प्रथम है लेकिन दाल मिले बंद हो रही हैं। इसके लिए बजट कोई प्रावधान नहीं है। कर्ज के दलदल में धंसता प्रदेश ही बजट का सबसे काला पक्ष है। कुल कर्ज पांच लाख करोड़ पार करने की दिशा में है। बजट का बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में ही जा रहा है।

सिंह ने कहा कि प्रदेश में स्कूल भवनों की हालत बहुत जर्जर है। उनकी मरम्मत के लिए जो राशि रखी गई है वह ऊंट के मुंह में जीरा है। हजारों स्कूल बंद हो चुके हैं और कई बंद होने की कगार पर हैं। ऐसा लगता है कि सरकार इनका संचालन सरस्वती शिशु मंदिर को देना चाहती है। यही हाल आंगनबाड़ियों के भवनों का भी है। प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज तो खोल दिए गए हैं और सीटें भी लगातार बढ़ाई जा रही हैं लेकिन स्टाफ की कमी को दूर करने के लिए कोई योजना नहीं है। जब पढाने वाले ही नहीं हैं तो डॉक्टर कैसे तैयार होंगे। सरकारी अस्पतालों के इंफ्रास्ट्रक्चर के सुधार के लिए भी पर्याप्त राशि बजट में नहीं रखी गई है। सिंह ने कहा कि करोड़ों रुपए खर्च करके सरकार हर साल इन्वेस्टर्स मीट करती है लेकिन जमीन पर सब शून्य है। बजट में इंडस्ट्रियल एरिया और आईटी पार्क का प्रावधान तो है लेकिन अभी तक सरकार ने यह नहीं बताया कि एमओयू के बाद कितने उद्योग आये और कितनों को रोजगार मिला। कुल मिलाकर यह बजट दिशाहीन है और वास्तविक जरूरत के हिसाब से नहीं बनाया गया है। इसमें कोई विजन नहीं है।

निगमायुक्त ने किया सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा बनाई जा रहीं सड़कों के निर्माण कार्य का बुधवार को निगमायुक्त संघ प्रिय ने निरीक्षण किया। बुधवार को अचानक निगम आयुक्त संघ प्रिय ने क्षेत्रीय कार्यालय 15 के अंतर्गत ऊंट पुल से गस्त का ताजिया तक बनाई जा रही रोड का अवलोकन कर किया। इसके साथ ही क्षेत्रीय कार्यालय 19 के अंतर्गत पाटनकर चौराहा से दौलतगंज महाराजबाडा शासकीय प्रेस तक बन रही सड़क को भी देखा तथा संबंधित अधिकारियों से सड़क के बारे में जानकारी ली एवं कार्य शीघ्र गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने सराफा पुलिस चौकी से गस्त का ताजिया तक डल रही वाटर लाइन का कार्य बंद मिलने पर कार्य को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए।

मध्यप्रदेश सरकार का बजट समृद्ध मध्यप्रदेश के लिये बनाया गया बजट है: भूपेन्द्र जैन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। औद्यौगिक सूक्ष्म लघु एवं मध्यम के साथ-साथ हम मध्यप्रदेश के बाजारों और मार्केटों को सर्वसुविधायुक्त बनायेंगे तो प्रदेश और तरक्की करेगा।

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने मध्यप्रदेश के वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि यह बजट समृद्ध मध्यप्रदेश के लिये बनाया गया बजट है किन्तु इस बजट में व्यापारियों के एवं व्यापरियों के मार्केट, बाजार आदि क्षेत्रों के डबलपमेंट की बात नहीं कही गई है। औद्योगिक प्रोत्साहन के लिये लगभग 2500 करोड रूपये का प्रावधान है, वहीं डेस्टीनेशन मध्यप्रदेश, इन्वेस्टमेंट ड्राइव के लिये लगभग 200 करोड का प्रावधान है,

किन्तु सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के बाजारों को, मार्केटो को सुव्यवस्थित करने, बाजारों में मूलभूत सुविधा जुटाने, अतिक्रर्मण मुक्त बाजार बनाने एवं टेक्नोलोजीयुक्त बाजार बनाने की दिशा में किसी प्रकार का प्रावधान नहीं किया गया है। सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों प्रोत्साहन व्यवसाय निवेश के लिये सुविधा दी गई है किन्तु बाजारों की अधोसंरचना के विकास के लिये सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 500 करोड से अधिक की राशि अगर रखी जाती तो हम समृद्ध मध्यप्रदेश में समृद्ध बाजार और मार्केट भी तैयार कर सकते थे।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, वित्तमंत्री जगदीश देवडा, प्रधानमंत्री की स्वदेशी खरीदो, स्वदेशी बेचो की परिकल्पना से अलग दृष्टिकोण रखते हुये स्वदेशी के विकास और आत्मनिर्भर भारत के लिये एक निश्चित राशि इस बजट में आवंटन किया जाना आवश्यक था।

सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 20 से

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में 20 एवं 21 फरवरी को 'सोशल मीडिया एंड ह्यूमन लाइफ' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी का आयोजन सेंटर फॉर स्टडीज इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन विभाग द्वारा पीएम-उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के गालव सभागार में संपन्न होगा।

कार्यक्रम में सोशल मीडिया और समाज, युवाओं पर प्रभाव, नैतिक चुनौतियां, फेक न्यूज, डिजिटल जिम्मेदारी तथा मानसिक स्वास्थ्य जैसे समकालीन मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। संगोष्ठी के संरक्षक कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य हैं, जबकि कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा कन्वीनर की भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. एस.एन. महापात्रा ने अधिक से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों से सहभागिता का आह्वान किया।

बजट में कोई नया कर नहीं, हम इसका स्वागत करते हैं: एमपीसीसीआई

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। राज्य बजट में किसी प्रकार का कोई नया करारोपण नहीं किए जाने का स्वागत है बजट में कृषि, ग्रामीण विकास और उद्योगों के लिए संसाधन बढ़ाए जाने पर बल दिया गया है ।

बजट में व्यापारिक सुगमता (Ease of Doing Business), एमएसएमई को आसान ऋण और तकनीकी समर्थन, और स्थानीय विनिर्माण के लिए प्रोत्साहन योजनाओं के प्रावधान पर और अधिक स्पष्टता होनी चाहिए थी, जो कि नहीं दिख रही है।

- चेम्बर द्वारा बजट में कर बोझ GST, स्टांप ड्यूटी, मंडी शुल्क संबंधी राहतों पर विचार किए जाने की मांग की गई थी, परन्तु कुछ नहीं हुआ।
- बजट में रोजगार सृजन और कौशल विकास पर जोर देने को हम सकारात्मक मानते हैं क्योंकि इससे स्थानीय युवा उद्यमियों और श्रमबल को सशक्त समर्थन मिलेगा।

एमएसएमई प्रोत्साहन योजना से सब्सिडी, क्रेडिट गारंटी और सिंगल-विंडो सिस्टम लागू होगा

मध्य प्रदेश बजट 2026-27 MSME के लिए स्पष्ट रोडमैप देता है, जिसमें 1,550 करोड़ की MSME प्रोत्साहन योजना से सब्सिडी, क्रेडिट गारंटी और सिंगल-विंडो सिस्टम लागू होगा।

2,550 करोड़ निवेश प्रोत्साहन से 1,028 इकाइयों को अतिरिक्त भूमि और इंफ्रा डेवलपमेंट, अगले 3 वर्षों में 9 लाख करोड़ निवेश लक्ष्य।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना (30 करोड़) से 5 लाख युवाओं को स्टार्टअप सपोर्ट, स्टार्टअप पॉलिसी (96 करोड़) से इनोवेशन हब्स स्थापना को और जोर मिलेगा !

आर्थिक विकास रोडमैप में 11%+ GSDP ग्रोथ, औद्योगिक अधोसंरचना (490 करोड़) से क्लस्टर्स, स्किल सेंटर्स बनाकर 2047 विकसित MP के लक्ष्य को साकार करने दिशा में सटीक दृष्टिकोण है!

रोजगार सृजन पर फोकस से MSME निर्यात बढ़ावा, TReDS पेमेंट सिस्टम अनिवार्य कर वर्किंग कैपिटल आसान, प्रति व्यक्ति आय 22.5 लाख का लक्ष्य।

एक MSME विशेषज्ञ के रूप में, मैं आश्वस्त हूँ कि यह सभी ठोस कदम केंद्रीय बजट से तालमेल करते हुए आत्मनिर्भर इकोसिस्टम बनाएंगे एवं निवेशकों को आकर्षित कर सतत ग्रोथ सुनिश्चित करेंगे।

प्रस्तुति
सीए प्रभात चोपड़ा
एमएसएमई एक्सपर्ट

सामाजिक समावेशन और किसानों की आय वृद्धि के नये अवसर पैदा करने वाला बजट : मंत्री श्री कुशवाह

भोपाल। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मध्यप्रदेश सरकार के वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को राज्य के विकास कि दिशा और प्राथमिकता को तय करने वाला बजट है। उन्होंने इस बजट को सामाजिक समावेशन और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि बजट में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण के लिए 4570 करोड़ रुपये के प्रावधान से दिव्यांगजनों को शिक्षा, स्वरोजगार और पुनर्वास योजनाओं का व्यापक लाभ मिलेगा। इससे समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिलेगी।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 772 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान से किसानों की आय में वृद्धि के नए अवसर विकसित होंगे। आधुनिक तकनीक, प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने से प्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेहतर पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बजट समावेशी विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भाजपा दक्षिण मण्डल ने सौंपी आजीवन सहयोग निधि

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि (समर्पण दिवस) पर भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंडलों को दिए गए आजीवन सहयोग निधि के लक्ष्य के अनुरूप भाजपा दक्षिण मंडल द्वारा मुरैना विधानसभा में सर्वप्रथम आर्थिक सुचिता एवं स्वावलंबन हेतु आजीवन सहयोग निधि वर्ष 2026 के लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण कर मंडल की ओर से राशि का चेक आज भाजपा कार्यालय पर मंडल अध्यक्ष धीरज सोनू शर्मा ने जिलाध्यक्ष कमलेश कुशवाह को सौंपा। इस अवसर पर आजीवन सहयोग निधि के जिले के प्रभारी हमीर पटेल, मंडल अध्यक्ष धीरज सोनू शर्मा, विधानसभा प्रभारी राजीव कंसाना, महामंत्री सुनील जाटव, जिला कार्यालय मंत्री राजेश रामनाथ सिकरवार सोशल मीडिया प्रताप गुर्जर सहित विधानसभा के मंडल अध्यक्षगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी धीरज शर्मा मंडल अध्यक्ष भाजपा दक्षिण मंडल मुरैना ने दी।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मैं. गुरूकृपा प्रकाशन प्रेस टीआईटी कॉम्पलैक्स मुरैना से मुद्रित एवं प्रकाशित, आरएनआई नं. MPHIN/2003/09780
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे,प्रबंध संपादक विकास शिवहरे 9770080488, सहायक संपादक गोपाल सिकरवार 9826949508, महाप्रबंधक श्याम शिवहरे सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरैना न्यायालय होगा।